राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, दिल्ली, बुलन्दशहर, अलीगढ़, मेरठ, हापुड़ बिजनौर आदि जनपदों में प्रसारित

दैनिक

हिन्दी समाचार पत्र

जनता की खोज

R.N.I No.UPHIN /2012/46072

हर खबर, आप तक.....

02 हरियाणा के कॉमेडियन दर्शन सिंह कों....

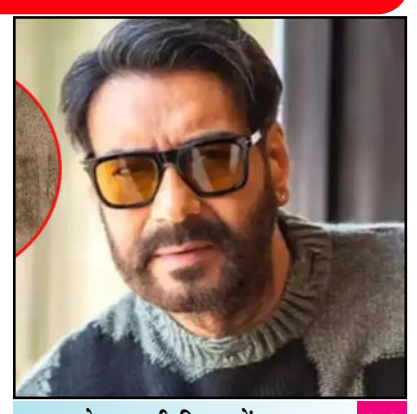

अजय देवगन की फिल्म में 2460.... 08

गौतमबुद्धनगर, बुधवार 19 मार्च 2025 | Email Id :Jantakikhoj2021@gmail.Com | वर्षः 12, अंकः 246 मूल्य 1 रुपये, पृष्ठ-08

पंजाब पुलिस की बड़ी कार्रवाई, रायपुर-रसूलपुर में यूट्यूबर के घर पर ग्रेनेड हमला करने वाले का एनकाउंटर

जालंधर । जालंधर के रायपुर-रसूलपुर में यूट्यूबर रोजर संधू के घर पर ग्रेनेड हमले के आरोपियों में से एक यमुना नगर के शादीपुर गांव का रहने वाला हार्दिक पुलिस एनकाउंटर में घायल हो गया। पुलिस के अनुसार, हार्दिक की टांग में गोली लगी है। पुलिस ने घटना के तुरंत बाद आरोपी से वेपन रिकवरी हेतु राजपुर-रसूलपुर के बल्लां क्षेत्र में संपर्क किया। जब पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने का

प्रयास किया, तो उसने उन पर फायरिंग की। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए आरोपी को दबोच लिया। पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह भी पता चला है कि आरोपित गैंगस्टर लॉरेंस की गैंग से जुड़ा हुआ है। वर्तमान में पुलिस हथियारों और अन्य ग्रेनेड की बरामदगी के लिए जांच में जुटी हुई है।

पीएम मोदी ने महाकुंभ को बताया महत्वपूर्ण ऐतिहासिक मोड़

नदी उत्सवों को बढ़ावा देने की अपील

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में संपन्न महाकुंभ को 1857 के आंदोलत और महात्मा गांधी के दांडी मार्च की तरह महत्वपूर्ण ऐतिहासिक क्षण बताते हुए मंगलवार को कहा कि सबके प्रयास से यह संभव हो सका। संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में महाकुंभ पर एक बयान में प्रधानमंत्री ने इसे देश की एकता, संस्कृति और सामर्थ्य का जीवंत उदाहरण बताते हुए कहा कि इस आयोजन ने पूरे विश्व को भारत की ताकत दिखाई। उन्होंने देशवासियों, उत्तर प्रदेश की जनता, खासकर प्रयागराज के लोगों और सभी कर्मयोगियों को इस सफल आयोजन के लिए धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने कहा, मैं कोटि-कोटि देशवासियों को नमन करता हूं, जिनकी वजह से महाकुंभ इतना भव्य हुआ। गंगा को धरती पर लाने के लिए भागीरथ ने जो प्रयास किया था, वैसा ही महाप्रयास इस आयोजन में दिखा। मैंने लाल किले से 'सबका प्रयास' की बात कही थी, और महाकुंभ में यह साकार हुआ। पूरे विश्व ने भारत के विशाल स्वरूप को देखा। उन्होंने इसे जनता की श्रद्धा और संकल्प का परिणाम बताया।

प्रधानमंत्री ने महाकुंभ को राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक बताते हुए कहा कि इसने देश के सामर्थ्य पर उठने वाली शंकाओं को खत्म कर दिया। उन्होंने पिछले साल हुए राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जिक्र करते हुए कहा, राम मंदिर के बाद महाकुंभ ने यह साबित किया कि भारत अगले एक हजार साल के लिए तैयार है। यह हमारे इतिहास में एक ऐसा मोड़ है, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।उन्होंने स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के दांडी मार्च जैसे ऐतिहासिक पलों का उल्लेख करते हुए महाकुंभ को भी उसी कड़ी का हिस्सा बताया। पीएम ने कहा कि महाकुंभ का उत्साह डेढ़ महीने तक दिखा। लोग सुविधाओं और चिंताओं से ऊपर उठकर इसमें शामिल हुए। उन्होंने अपने हाल के मॉरीशस दौरे का जिक्र किया, जहां वे त्रिवेणी संगम का पवित्र जल लेकर गए थे। उन्होंने कहा, जब गंगाजल को वहां अर्पित किया गया, तो श्रद्धा का माहौल देखते बनता था। यह दिखाता है कि हमारी संस्कृति को अपनाने की भावना कितनी मजबूत हो रही है।उन्होंने जोर देकर कहा कि आज की युवा पीढ़ी अपनी परंपराओं को गर्व के साथ अपना रही है, जो देश की बड़ी ताकत है।

पीएम मोदी ने महाकुंभ को एकता का सबसे बड़ा उदाहरण बताया। उन्होंने कहा, देशभर से लोग प्रयागराज आए। अलग-अलग भाषाएं बोलने वाले, अलग-अलग राज्यों के लोग संगम तट पर जुटे। वहां छोटे-बड़े का कोई भेद नहीं था। 'मैं' नहीं, 'हम' की भावना दिखी।

सीमा ने बेटी को दिया जन्म

ग्रेटर नोएडा । मगलवार को ग्रेटर नोएडा के श्री कृष्णा लाईफ लाईन अस्पताल में पाकिस्तान से आई सीमा हैदर ने बेटी को जन्म दिया हैं। माँ बेटी दोनों स्वस्थ हैं और बेटी का नामकरण पारिवारिक समाहरोह में किया जायेगा। 23 वर्षीय सीमा हैदर पाकिस्तान से भारत आई थी मंगलवार सुबह लगभग 4 बजे नोएडा के कृष्णा हॉस्पिटल में उन्होंने बेटी को जन्म दिया। जोकि उनका 5वा बच्चा हैं इससे पहले उनके चार बच्चे हैं जों पाकिस्तानी पति से हैं। और अब भारतीय पति सचिन मीणा से पहली बच्चा हुआ हैं। सीमा हैदर के वकील एसपी सिंह ने बताया कि सीमा हैदर ने नार्मल डिलीवरी से बेटी को जन्म दिया हैं माँ बेटी दोनों स्वस्थ हैं। और जल्द ही दोनों को अस्पताल से छुट्टी भी मिल जायेगी।

सचिन मीणा के परिवार का कहा कि यह परिवार का एक न्या अध्याय हैं जल्द ही बच्ची का नामकरण करेंगे। दिल्ली हाईकोर्ट के वकील इरफान फिरदौस ने बताया कि बेटी का जन्म भारत में हुआ हैं। इसलिए भारत की नागरिकता के लिए कही आवेदन करने की जरूरत नही हैं। हमारे संविधान में जन्म से नागरिकता को प्राथमिकता दी गई हैं। ऐसे में बच्चा खुद ही भारत का नागरिक माना जायेगा। बता दे कि सीमा हैदर और गुलाम हैदर की शादी 2014 में हुई थी। 2019 में गुलाम हैदर चार बच्चों को कराची में छोड़कर दुबई चला गया था।

कश्मीर के दुश्मन...अमेरिका-ब्रिटेन का नाम लेकर इतना क्यों भड़क गए जयशंकर?

दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रायसीना डॉयलाग के दूसरे दिन पाकिस्तान का बिना नाम लिए जमकर निशाना साधा। उन्होंने सबसे पहले पीओके का जिक्र किया और बताया कि कैसे कुछ बड़े देशों ने पाकिस्तान की ओर से किए गए आक्रमण को विवाद में बदल दिया। जयशंकर ने कहा कि हम सभी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता की बात करते हैं। हम सभी इस बात पर सहमत हैं कि ये एक महत्वपूर्ण सिद्धांत

है। ये वैश्विक नियमों का आधार है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद किसी अन्य देश द्वारा सबसे लंबे समय तक चलने वाला अवैध मैं कहूंगा कि उपस्थिति किसी क्षेत्र पर कब्जा भारत से संबंधित है। डॉ. जयशंकर ने कहा कि हमने कश्मीर में जो देखा है। हम संयुक्त राष्ट्र तक गए। जो आक्रमण था उसे विवाद में बदल दिया गया। हमलावर और पीड़ित को बराबर रखा गया। एस जयशंकर ने सवाल उठाते हुए पूछा कि इसके दोषी कौन थे? ब्रिटेन, कनाडा, बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका। एस जयशंकर ने माफी के साथ अपनी बात रखते हुए कहा कि उस पुराने आदेश पर मेरे पास कुछ सवाल हैं। अब, मैं आपको और भी बहुत कुछ बता सकता हूँ। आज हम राजनीतिक हस्तक्षेप की बात कर रहे हैं। जब पश्चिम दूसरे देशों में जाता है, तो जाहिर तौर पर यह लोकतांत्रिक स्वतंत्रता की दृढ़ता के लिए होता है। जब दूसरे देश पश्चिम में आते हैं, तो ऐसा लगता है कि उनका इरादा बहुत ही बुरा है। एक मजबूत और निष्पक्ष संयुक्त राष्ट्र का आह्वान करते हुए विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा इसलिए मुझे लगता है कि हमें एक व्यवस्था की आवश्यकता है, निष्पक्षता होनी चाहिए। हमें एक मजबूत संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता है, लेकिन एक मजबूत संयुक्त राष्ट्र के लिए एक निष्पक्ष संयुक्त राष्ट्र की आवश्यकता होती है। जब उनसे उनकी पिछली टिप्पणियों के बारे में पूछा गया, जिसमें उन्होंने कहा था, यदि आपके पास कोई व्यवस्था नहीं है, तो आप एक बहुत ही अराजक दुनिया को देख रहे हैं, तो जयशंकर ने जवाब दिया, देखिए, मुझे लगता है कि हमें एक अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की आवश्यकता है, जैसे हमें एक घरेलू व्यवस्था की आवश्यकता है। जैसे आपको किसी देश में समाज की आवश्यकता होती है, वैसे ही आपको उसका एक अंतरराष्ट्रीय संस्करण भी चाहिए और अगर कोई व्यवस्था नहीं होगी तो केवल बड़े देशों को ही लाभ नहीं होगा। मैं तर्क दूंगा कि कोई भी देश जो जोखिम उठाएगा, जो चरमपंथी रुख अपनाएगा, जो व्यवस्था का परीक्षण करेगा, वास्तव में अव्यवस्था का अपने लाभ के लिए उपयोग करेगा। मेरा मतलब है कि हमने अपने पड़ोस में देखा है। जोखिम भरा देश बनने के लिए आपको एक बड़े देश की आवश्यकता नहीं है। मेरे छोटे पड़ोसी हैं जिन्होंने बहुत अच्छा काम किया है। इसलिए, सबसे पहले, हम सभी को एक व्यवस्था के महत्व को समझना चाहिए।

दिल्ली के करावल नगर में चाकू गोदकर युवक की हत्या

नई दिल्ली । दिल्ली के उत्तर-पूर्वी करावल नगर इलाके में एक 18 वर्षीय लड़के की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। यह घटना सोमवार रात शिव विहार की गली नंबर 8 में हुई। पुलिस के अनुसार, उन्हें रात करीब 11 बजे हत्या की सूचना मिली थी।

दिल्ली के उत्तर-पूर्वी करावल नगर इलाके में एक 18 वर्षीय लड़के की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। यह घटना सोमवार रात शिव विहार की गली नंबर 8 में हुई। पुलिस के अनुसार, उन्हें रात करीब 11 बजे हत्या की सूचना मिली थी। पुलिस ने बताया कि सोमवार रात करीब 11:01 बजे करावल नगर पुलिस स्टेशन को एक व्यक्ति को चाकू घोंपने की सूचना मिली। पुलिस की

टीम तुरंत मौके पर पहुंची, जो शिव विहार की गली नंबर 8 के पास था।

वहां पुलिस ने पाया कि लगभग 18 साल का एक युवक चाकू लगने से घायल था। घायल को पीसीआर वैन द्वारा जीटीबी अस्पताल भेजा गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल का निरीक्षण करने के लिए क्राइम और एफएसएल टीमों को बुलाया गया है। आरोपियों की जल्द से जल्द पहचान करने और उन्हें गिरफ्तार करने के लिए टीमें गठित की गई हैं और आगे की कार्रवाई जारी है।

इससे पहले दिल्ली के अंबेडकर नगर मदनगीर इलाके में एक 20 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। बदमाशों ने युवक पर ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया था।

नगरीय निकायों के अध्यक्ष 25 मार्च को लेंगे शपथ, पंचकूला में होगा समारोह

पंचकूला । हरियाणा नगर निगम चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की शानदार जीत के साथ ही अब जश्न का माहौल है। सोमवार को पंचकूला स्थित पार्टी कार्यालय पंचकमल में एक अनूठा स्वागत एवं अभिनंदन समारोह हुआ। इस सम्मेलन में नवनिर्वाचित जिला अध्यक्षों, निर्वाचित महापौरों एवं अध्यक्षों का गर्मजोशी से स्वागत किया गया। खास बात यह है कि 25 मार्च को पंचकूला में भाजपा के प्रत्येक विजयी पार्षद, महापौर एवं अध्यक्ष का शपथ ग्रहण समारोह होना है। आइए इस रिपोर्ट के माध्यम से जानें कि इस समारोह को क्या खास बनाता है। डॉ. नरेंद्र सिंह सैनी के मुताबिक 'पंचकमल' में आयोजित समारोह में प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली एवं संगठन मंत्री फणींद्रनाथ शर्मा भी मौजूद रहे। इसके अलावा कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी एवं प्रदेश महामंत्री सुरेंद्र पूनिया भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर कहा, हमारी पूरी टीम की मेहनत का परिणाम यह हुआ है कि हम इस जीत तक पहुंचे हैं। प्रदेश प्रभारी, अध्यक्ष और संगठन मंत्री के मार्गदर्शन में हम इस मुकाम तक पहुंचे हैं। फिर भी, हरियाणा की जनता, जिसने हमें अपार प्यार और सहयोग दिया है, सबसे अधिक धन्यवाद की पात्र है।

उन्होंने हाल ही में नामित सभी नेताओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि जीत का सिलसिला तेजी से बढ़ा है। अपने भाषण में सीएम सैनी ने एक खास बात पर जोर दिया। उन्होंने कहा, पार्टी ने आप पर भरोसा जताया है, अब हमें उस भरोसे को तीन गुना मेहनत से पूरा करना है।

कुशल सहयोग से ही हरियाणा नई ऊंचाइयों पर पहुंचेगा। यह सुनकर सभी उपस्थित नेता और कार्यकर्ता उत्साहित हो गए।सैनी ने कहा कि हरियाणा में ट्रिपल इंजन की सरकार बनना इसी मेहनत को दशार्ता है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में पेश किए गए बजट की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उम्मीद है कि 2047 तक भारत एक विकसित देश बन जाएगा। हमने उनके विजन को ध्यान में रखते हुए हरियाणा का बजट तैयार किया है। सैनी ने बड़े उत्साह के साथ कहा कि पीएम मोदी के अभियान में हरियाणा के लोग सर्वोपरि होंगे। डॉ. सतीश पूनिया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने भी बजट की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह उप सरकार का बजट हर क्षेत्र में आगे बढ़ने और हरियाणा को विकसित बनाने में अहम भूमिका निभाएगा।

कामयाबी

एटीएस और डीआरआई को बड़ी कामयाबी

अहमदाबाद में 90 किलो सोना किया जब्त

अहमदाबाद । गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने अवैध सोने की तस्करी के मामले में बड़ी कार्रवाई की है। गुजरात एटीएस और डीआरआई ने अहमदाबाद के पालडी इलाके में एक दलाल के घर से छापेमारी कर लगभग 90 से 100 किलोग्राम सोना जब्त किया। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि जब्त किए गए सोने की अनुमानित कीमत करीब 83 करोड़ रुपए है। खुफिया जानकारी मिलने के बाद एटीएस अधिकारी पीआई निखिल और पीआई चावड़ा के नेतृत्व में पालडी में स्थित एक घर पर छापा मारा गया। इस छापेमारी के दौरान अधिकारियों को बिस्कुट के रूप में रखा सोना और अन्य आभूषण मिले हैं। घर से बरामद किए गए सोने के वजन का अंतिम आकलन अभी भी जारी है, लेकिन प्रारंभिक अनुमान के अनुसार यह करीब 95.5 किलोग्राम (अनुमानित) है। इसके अलावा, 60-70 लाख रुपए की नकदी भी जब्त की गई। अधिकारियों को अभी भी सोने के सटीक स्रोत का पता लगाना बाकी है और आगे की जांच चल रही है। एटीएस और डीआरआई सोने की तस्करी नेटवर्क और वित्तीय अनियमितताओं के संभावित लिंक की भी जांच कर रहे हैं। हालांकि, जांच आगे बढ़ने और अधिक विवरण सामने आने की उम्मीद है। गुजरात में हाल के वर्षों में सोने की तस्करी के कई महत्वपूर्ण मामले सामने आए हैं। जुलाई 2023 में राजस्व खुफिया निदेशालय ने सूरत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से लगभग 25 करोड़

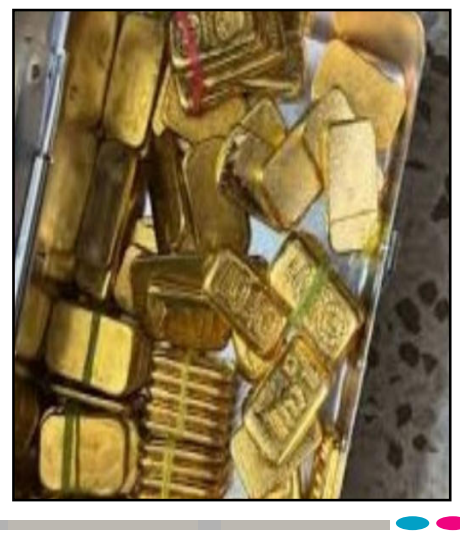

रुपए मूल्य के 48.2 किलोग्राम गोल्ड पेस्ट को जब्त किया था।इस कार्रवाई के दौरान शारजाह से आने वाले तीन यात्रियों और एक हवाई अड्डे के अधिकारी को गिरफ्तार किया गया था। सोने को पांच ब्लैक बेल्ट के भीतर 20 पैकेट में छिपाया गया था, जिसमें स्क्रीनिंग से बचने के लिए इमिग्रेशन चेकपॉइंट से पहले शौचालय में सोने का आदान-प्रदान करने की योजना थी। इसके अलावा, जुलाई 2023 के एक अन्य मामले में अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने दुबई से सोने की तस्करी में शामिल एक जौहरी और एक जोड़े को गिरफ्तार किया था।

साहित्य की शिप्रा में डुबकी लगातीं आशागंगा प्रमोद शिरढोणकर : सुमित प्रताप सिंह

उदयपुर। राजस्थान में 8 जून, 1951 को जन्मी आशागंगा प्रमोद शिरढोणकर की शिक्षा-दीक्षा हाड़ौती क्षेत्र कोटा, राजस्थान में हुई तथा उन्होंने राजस्थान विश्वविद्यालय से संस्कृत साहित्य में परास्नातक किया है। उनको हिंदी, मराठी, संस्कृत, अँग्रेजी. भाषाओं का ज्ञान है तथा सिंधी उनकी मातृभाषा है। उन्होंने 15 वर्ष में लेखन प्रारंभ किया तथा उनकी लेखन की विधाएँ कविता, कहानी, लघुकथा, हास्य-व्यंग्य, संस्मरण, आलेख, निबंध, रेखाचित्र इत्यादि हैं। उनकी लघुकथाएँ एवं कविताएँ 21 अखिल भारतीय साझा संग्रहों में प्रकाशित हो चुकी हैं तथा शीघ्र ही उनकी लघुकथाओं का संग्रह प्रकाशित होनेवाला है। उन्हें लेखन के क्षेत्र में अनेक पुरस्कार-सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इस समय वह मध्यप्रदेश के उज्जैन शहर में साहित्य की शिप्रा में नियमित रूप से डुबकी लगाने में मग्न हैं। हमने कुछ प्रश्नों के माध्यम से उनकी साहित्यिक यात्रा के विषय में जानने का लघु प्रयास किया है।

सुमित प्रताप सिंह - आपको लेखन का रोग कब और कैसे लगा?

आशागंगा प्रमोद शिरढोणकर - बचपन से ही मुझे अपने जेबखर्च से धर्मयुग, सा. हिंदुस्तान, पराग, चंदामामा, नंदन, अरुण, सुषमा, सरिता, मुक्ता, माधुरी, नवचित्रपट आदि पत्रिकाएँ खरीदकर पढ़ने का चस्का लग गया था। आठवीं में थी कि समग्र प्रेमचंद, शरतचंद्र, टैगोर, ताराचंद्र बंद्योपाध्याय, अमृता प्रीतम, गुरुदत्त, शिवानी, जैनेंद्र आदि को पढ़ने में ही समय गुजरने लगा था। मेरे पिता एक साहित्यप्रेमी डॉक्टर थे। उनके पास महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब से डाक द्वारा सिंधी-उर्दू भाषाओं में कई दैनिक समाचार पत्र और पत्रिकाएँ आया करती थीं, उर्दू में ब्लिट्ज भी। उनमें पिताजी के लेख भी प्रकाशित हुआ करते थे। शायद पठन-पाठन का गुणसूत्र उन्हीं से विरासत में मिला। 1966-67 में मैं ग्यारहवीं में थी। शुरू से ही प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने और बेस्ट स्टूडेंट का पुरस्कार कलेक्टर के हाथों मिलने से हमारी हिंदी विषय की अध्यापिका श्रीमती शकुंतला पाराशर को मुझसे बड़ी आशाएँ थीं। विद्यालयीन वार्षिक गृहपत्रिका ' प्रेरणा ' की वह संपादक थीं और चाहती थीं कि पत्रिका के लिए कोई कविता-कहानी जरूर लिखकर दूँ।

लिखने का तो कोई अनुभव था नहीं। हाँ, गंभीर साहित्य के अध्ययन का अनुभव काम आया। कोशिश करके मैंने कक्षा दूसरी में हुए एक सच्चे अनुभव/संस्मरण को कहानी की तरह लिख डाला। इस तरह आपके शब्दों में ' लिखने का रोग ' लगा नहीं, लगाया गया और पिछले साठ वर्षों से यह संक्रमण यथावत है।

अगर कहूँ कि लेखन एक रोग नहीं, वरन एक महौषधि है हमारे मस्तिष्क और जीवन दोनों को ऊर्जस्वित रखने के लिए तो यह सत्योक्ति होगी, अतिशयोक्ति नहीं।

सुमित प्रताप सिंह - लेखन से आप पर कौन-सा अच्छा अथवा बुरा प्रभाव पड़ा?

आशागंगा प्रमोद शिरढोणकर - लेखन व्यक्तित्व एवं सोच को परिष्कृत व परिमार्जित करने में सहायक होता है। लेखक के सामाजिक अवदान को नकारा नहीं जा सकता। समाज में एक सम्मान्य स्थान पाना भी अच्छा प्रभाव है।मुझे नहीं लगता कि लेखन से कोई बुरा प्रभाव भी पड़ता है। हाँ, साहित्यकार के साथ-साथ 'महिला' होने के नाते कुछ अति सम्मानित साहित्यकारों की कुत्सित दृष्टि का भी कभी-कभार सामना करना पड़ जाता है, लेकिन सामाजिक ठेकेदारों की मान्यता तो यह है कि यह पुरुष का दोष नहीं, 'नारी सशक्तीकरण' ही इसकी जिम्मेदार है।

सुमित प्रताप सिंह - क्या आपको लगता है कि लेखन समाज में कुछ बदलाव ला सकता है?

आशागंगा प्रमोद शिरढोणकर - जी हाँ, लेखन प्राचीन काल से ही समाज का दिशा निर्देशक रहा है। क्रूर विधर्मी आक्रमणों और परतंत्रता के दौरान साहित्य लेखन ने ही समाज को सांस्कृतिक रूप से एकजुट रखकर अध्यात्म और भारतीय अस्मिता को जीवित बनाए रखा। गुरु नानक और कबीर का लेखन तो समाज को बदलाव का संदेश देने का जीवंत उदाहरण है। वैसे भी जनजागरण तो लेखन के बिना संभव ही नहीं।

सुमित प्रताप सिंह - आपकी अपनी सबसे प्रिय रचना कौन सी है और क्यों?

आशागंगा प्रमोद शिरढोणकर - मेरी अपनी प्रिय रचना एक लघुकथा है 'नकाबपोश '। 2008 में महाराष्ट्र छोड़कर मैं उज्जैन स्थलांतरित हुई तो यहाँ स्कूल-कॉलेज की युवतियों को नकाबपोशी का अभ्यस्त पाया। बुर्कानशीन की तरह उनकी सिर्फ. आँखें ही खुली दिखती थीं। मोटरसाइकिल पर लड़के के पीछे चिपककर बैठी नकाबपोश बालिका किसी की बेटी या बहन जरूर होगी। सार्वजनिक परिवहन में यात्रा के दौरान सामने जब भी और जितनी देर भी ऐसी लड़कियाँ देखती, मुझे अपने भीतर ऑक्सीजन की भारी कमी महसूस होने लगती और मेरा दम घुटने लगता था। विवश हो मुझे अपनी दृष्टि और ध्यान, दोनों को वहाँ से हटाना पड़ता था। एक बार तो सामने बैठी एक लड़की से पूछ ही लिया, "तुम्हें साँस लेने में तकलीफ नहीं होती?" वह चुप रही। बाद में सार्वजनिक यातायात साधनों को ही त्यागना पड़ा।

उसी समय मेरे भीतर एक विचार कौंधा कि अगर विवाह के बाद पर्दे की अभ्यस्त इस लड़की को घूँघट करना पड़ा तो यह जरूर विद्रोह पर उतर आएगी...और तभी इस लघुकथा का बीज अंकुरित हो गया।

पर्दाप्रथा को एक जर्जर रूढ़ि बतानेवाला युवा वर्ग स्वयं इसका कितना आदी हो चुका है, उनके इस विचार-विपर्यय के कारण मुझे अपनी यह रचना प्रिय है।

सुमित प्रताप सिंह - आप अपने लेखन से समाज को क्या संदेश देना चाहती हैं?

आशागंगा प्रमोद शिरढोणकर - मुझ जैसी गुमनाम लघुकथाकार की पुरजोर कोशिश रहती है कि लघुकथा लेखन के जरिए कोई-न-कोई न-कोई सामाजिक समस्या बीज रूप में उठाऊँ, साथ ही उसका संभावित समाधान और मनोवांछित संदेश भी उसमें गुंफित हो। यदि उस संदेश का प्रभाव एक प्रतिशत पाठक पर भी पड़ता है तो समझूँगी, लेखन सफल हुआ।

भारतीय किसान यूनियन इंडिया ने की केन्द्रीय परिवहन मंत्री से अंडरपास फुट ओवर ब्रिज की मांग

जनता की खोज

मेरठ। भारतीय किसान यूनियन इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप तितौरिया ने केन्द्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी व अध्यक्ष भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से एन.एच.58, मेरठ हरिद्वार बाईपास रोड पर अन्डर पास व फुट ओवर ब्रिज निर्माण कराने के मांग की। इस सम्बन्ध में लिखे पत्र में केन्द्रीय मंत्री को अवगत कराया गया कि एन.एच.58 मेरठ-हरिद्वार बाई पास रोड एक जानलेवा व हादसों का कारण बन चुका है, जिसमें सैंकड़ों लोग हर साल अपनी जान गंवा देते है। इस मार्ग से रोजाना कई लाख वाहनों की आवाजाही जिससे टोल कम्पनी को भारी मुनाफा हो रहा है। पर सिर्फ टोल कम्पनी का ध्यान टोल एकत्र करने पर ही है, सुविधाओं के नाम पर इस मार्ग में शून्य कार्य किया जा रहा है। इस मार्ग पर बिल्कुल अंधेरा रहता है और यहां के आस-पास के क्षेत्र वासियों के लिए न तो कोई अन्डर पास है और न ही कोई फुट ओवर ब्रिज का निर्माण किया गया है। जिससे क्षेत्रवासियों को सड़क के दूसरे छोर पर जाने के लिए असुविधा होती है। इसी कारण से यहां पर रोजाना हादसे होते है और लोगों को अपनी जान देनी पड़ जाती है। क्षेत्रीय जनता द्वारा कई बार फुट ओवर ब्रिज और अन्डर पास के लिए धरने प्रदर्शन व आंदोलन किया जा चुका है, इस सम्बन्ध में अधिकारियों द्वारा केवल आश्वासन दिया जाता है पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती है। जिससे जनता में रोष व्याप्त है। इस सम्बन्ध में केन्द्रीय मंत्री से तुरंत कार्यवाही करते हुए इस मार्ग पर टोल कम्पनी को मूलभूत सुविधायें, लाईट की व्यवस्था करने के साथ ही सम्बन्धित विभाग को फुट ओवर ब्रिज और अन्डर पास के निर्माण के आदेश देने की मांग की गई। मांग पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी गई। तितौरिया द्वारा वलीदपुर में हुए सड़क हादसे में मारे गए लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त भी की।

सीतापुर के पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की हत्या पर अमेठी के पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन

अमेठी । सीतापुर जनपद में हिंदी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार राघवेंद्र वाजपेई की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई, लेकिन अब तक अपराधी खुलेआम घूम रहे हैं। पत्रकार उत्पीड़न की बढ़ती घटनाओं को लेकर प्रदेशभर में आक्रोश है, जिसे प्रेस की स्वतंत्रता पर सीधा हमला माना जा रहा है। इसी को लेकर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन उत्तर प्रदेश (अमेठी शाखा) के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी अमेठी के माध्यम से सौंपा। पत्रकारों ने मांग की कि अपराधियों पर सख्त कार्रवाई हो और भविष्य में पत्रकार बिना किसी भय के अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।ज्ञापन सौंपने के दौरान ये पत्रकार रहे मौजूद : शेषनारायण त्रिपाठी, दिव्यांश मिश्रा, राकेश शुक्ला, राम मूरत यादव, अशोक कुमार पांडेय, कुलदीप सिंह, चंद्र प्रकाश मौर्य, मानसिंह अनुपम पांडे, राजाराम आर्य, मीनाक्षी मिश्रा और डॉ. एसपी पाल।क्या बोले पत्रकार संगठन के पदाधिकारी? : ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन अमेठी के जिला अध्यक्ष जितेंद्र पाण्डेय ने स्पष्ट किया कि अगर इस मामले में जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो प्रदेशव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष सौरभ कुमार की सहमति से सभी पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से त्वरित न्याय की मांग की। इस घटना को लेकर प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश के पत्रकारों में गहरा रोष व्याप्त है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल का हमला, हिमाचल बजट जनता के लिए शून्य

शिमला । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए प्रस्तुत बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि सुखविन्द्र ने अपने कार्यकाल का तीसरा बजट प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि लगभग 58 हजार करोड़ रू0 का यह बजट हिमाचल प्रदेश की जनता के लिए शून्य है। डॉ. बिन्दल ने कहा कि मुख्यमंत्री के शब्दों के अनुसार इस बजट में 25 पैसा सैलरी के लिए, 20 पैसा पैंशन के लिए, 12 पैसा ब्याज के लिए, 10 पैसा देय राशियों के लिए और सामाजिक कार्यों के लिए 9 पैसा, इस प्रकार 100 रू0 में से 76 रुपए एक सामान्य देनदारियां है और उसके बाद 24 रू0 पूंजीगत व्यय के लिए बचता है। विकास के लिए, प्रदेश की जनता के लिए सरकार ने कुछ नहीं रखा है। बजट की यह वस्तुस्थिति उन्होंने स्वयं बजट के अंदर वर्णित की है। डॉ. बिन्दल ने कहा कि पूरे बजट में 2022 से पहले की सरकार को केवल कोसने का काम किया है। 2022 से पहले सरकार ने कुछ कर्ज छोड़ा, कुछ काम नहीं किया, उसी बात का हवाला देकर पूरे बजट की शुरूआत की है और उसी बात का हवाला देकर बजट को समाप्त किया गया है। उन्होंने कहा कि इस बजट के अंदर जो कर्ज निरंतर लिया जा रहा है, उस कर्ज के बारे में कोई व्याख्या नहीं है कि यह कर्ज कितनी मात्रा में कब तक लिया जाएगा और उस कर्ज का उपयोग किस कार्य के लिए किया जाएगा, यह एक बहुत बड़ा प्रश्न इसके अंदर पैदा होता है।

डॉ. बिन्दल ने कहा कि प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर कोई भी प्रावधान इस बजट के अंदर नहीं किया गया है और न ही इस बात का कोई उत्तर दिया गया कि आपने 1200 स्कूलों को बंद कर दिया है, आपने लगभग 1600 संस्थान बंद कर दिए हैं। आप शिक्षा में गुणवत्ता की बात कर रहे हैं और संस्थान बंद करते चले जा रहे हैं, आप स्वास्थ्य में गुणवत्ता की बात कर रहे हैं और स्वास्थ्य संस्थान बंद करते जा रहे हैं और इस बजट के अंदर भी आपने जो कल्याणकारी योजना हिमकेयर योजना, आयुष्मान योजना उसके बारे में किसी भी प्रकार का कोई जिक्र नहीं किया। जो लाभ इससे जनता को मिल रहा था, उसके बारे में आप पूरी तरह खामोश हैं, और भी चिंताजनक बात यह है कि अनेक योजनाओं का नाम बदलकर आपने जनता को धोखा देने का प्रयास किया। डॉ. बिन्दल ने कहा कि आपने प्रदेश की 20 वर्ष से उपर की बहनो को 1500 रू0 देने की बात कहते समय उसमें पात्र शब्द का प्रयोग किया अर्थात आप यह राशि चुनिंदा बहनो को देने की बात कह रहे हैं।

औरंगजेब कब्र विवाद : हिंसा के बाद नागपुर के 10 इलाकों में कर्फ्यू

नागपुर । नागपुर में औरंगजेब की कब्र को लेकर हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। नागपुर के महाल में सोमवार रात दो गुटों के बीच हिंसा भड़क गई थी। महाल के बाद देर रात हंसपुरी में भी हिंसा हुई। अज्ञात लोगों ने दुकानों में तोड़फोड़ की और वाहनों में आग लगा दी। प्रशासन ने हिंसा के बाद कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। महाल में हुई हिंसा

65 उपद्रवी हिरासत में, 25 पुलिसवाले घायल

में कई लोग घायल हुए। इनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। उग्र भीड़ ने 25 से अधिक बाइक और 3 कारों को आग के हवाले कर दिया। अब तक 60 से 65 दंगाइयों को हिरासत में लिया गया है जबकि 25 से 30 पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। यह हिंसा समभाजी नगर में औरंगजेब की कब्र को लेकर विवाद के बीच हुई। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने इस कब्र को ध्वस्त करने की मांग की थी। दोनों समूहों ने सोमवार सुबह नागपुर में भी प्रदर्शन किया था, इसके कुछ ही घंटों बाद हिंसा भड़क उठी। नागपुर पुलिस का कहना है कि अफवाहों की वजह से झड़प हुई। नागपुर पुलिस के डीसीपी (ट्रैफिक) अर्चित चांडक ने बताया कि घटना गलतफहमी की वजह से हुई लेकिन स्थिति अब नियंत्रण में है। पत्थरबाजी हो रही थी, इसलिए हमने बल प्रयोग किया और आंसू गैस का भी इस्तेमाल किया। अपराधियों की पहचान करने के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है। नागपुर के पुलिस आयुक्त डॉ. रविंदर सिंघल ने आश्वस्त किया है कि हालात नियंत्रण में हैं। वहीं सीएम फडणवीस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है। हिंसा भड़कने के बाद नागपुर के कई इलाकों में कर्फ्यू लगा दिया गया है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 लागू की गई है। यह कर्फ्यू कोतवाली, गणेशपेठ, तहसील, लकड़गंज, पचपाओली, शांतिनगर, शक्करदारा, नंदनवन, इमामवाड़ा, यशोधरानगर और कपिलनगर में लागू किया गया है।

उदयपुर के घड़ी शोरूम में लगी भीषण आग, दुकानदार का परिवार सुरक्षित निकाला

उदयपुर । यहां बापू बाजार स्थित नटराज गली में एक घड़ी के शोरूम में आग लग गई। आग लगने के बाद दुकान में रखा सारा सामान जलकर राख हो गया। हादसे के समय दुकानदार का परिवार तीसरी मंजिल पर फंसा हुआ था, जिसे पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

घटना सुबह करीब 10 बजे की है, जब टाइमेक्स शोरूम में अचानक आग लग गई। आग की लपटें और धमाकों की आवाज सुनकर इलाके में अफरातफरी मच गई

घटना सुबह करीब 10 बजे की है, जब टाइमेक्स शोरूम में अचानक आग लग गई। आग की लपटें और धमाकों की आवाज सुनकर इलाके में अफरातफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग बुझाने की कोशिश शुरू की। तीन मंजिला इस इमारत में ग्राउंड फ्लोर पर घड़ियों की दुकान है, जबकि तीसरी मंजिल पर दुकानदार निकेश वलवानी अपने परिवार के साथ रहते हैं। आग लगने के दौरान परिवार घर में ही था और बाहर निकलने का रास्ता नहीं था। मौके पर पहुंचे सूरजपोल थाना के सूचना अधिकारी भावेश गुर्जर और एसआई वीरम सिंह ने सीढ़ी लगाकर परिवार के चारों सदस्यों को पास की बिल्डिंग से सुरक्षित बाहर निकाला।

प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। घटना के बाद बाजार में भारी भीड़ जमा हो गई थी, जिसे पुलिस ने हटाया। सुरक्षा के लिहाज से आसपास की दुकानों को कुछ समय के लिए बंद करने के निर्देश दिए गए हैं।

हरियाणा के कॉमेडियन दर्शन सिंह को नाबालिग से दुष्कर्म में हुई 20 साल की सजा

हिसार । कभी अपने हास्य से दर्शकों को आनंदित करने वाले हरियाणा के मशहूर बौने कलाकार दर्शन सिंह आजकल चौंकाने वाली घटनाओं के कारण सुर्खियों में हैं। नाबालिग से दुष्कर्म के एक मामले में हिसार के एडीजे सुनील जिंदल की अदालत ने दर्शन सिंह को 20 साल कैद की सजा सुनाई है। इस विषय पर हर हफ्ते खबरें आने से मन में अजीब सी शांति आ जाती है। अदालत ने दर्शन सिंह पर सात हजार रुपये एक लाख का जुमार्ना भी लगाया है, जो उसे एक साल में भरना है। पीड़िता की ओर से वकील रेखा मित्तल कथूरिया ने अदालत में मजबूती से पैरवी की और दर्शन सिंह के लिए सख्त से सख्त सजा की मांग की। इस मामले की सुनवाई 11 मार्च को शुरू हुई थी। उस दिन जज ने दर्शन सिंह को दोषी पाया और सभी को लगा कि उन्हें सजा का इंतजार करना ही था।

पहले फैसला 13 मार्च को सुनाया जाना था, लेकिन बाद में इसे 17 मार्च के लिए टाल दिया गया। तब तक दर्शन सिंह पुलिस हिरासत में थे। अगले सोमवार को जब अदालत ने अपना अंतिम फैसला सुनाया तो सब कुछ बदल गया। अग्रोहा थाने में यह मामला दर्ज किया गया था। इससे पहले दर्शन जमानत पर बाहर था। हालांकि अब उसकी जिंदगी सलाखों के पीछे सिमट कर रह गई है। सजा सुनाए जाने के समय कोर्ट का नजारा बेहद शानदार था।

अपना चेहरा छिपाते हुए दर्शन सामने आया; शायद वह कानूनी पचड़े से बचने की कोशिश कर रहा था। उसकी बहन की आंखों से आंसू छलकने लगे थे, उसके चेहरे पर गमगीन भाव था। कोर्ट ने पीड़िता को 2 लाख रुपये हजार्ना देने का भी आदेश दिया। हालांकि यह रकम उसके परिवार को कुछ राहत जरूर पहुंचाती है, लेकिन इससे लड़की के जख्म पूरी तरह से भर नहीं सकते। पीड़िता के परिवार ने वकील रेखा मित्तल और उनके स्टाफ का दिल से शुक्रिया अदा किया। यह सजा उन लोगों के लिए लंबी और कठिन लड़ाई में जीत का प्रतीक है।

इस पूरी घटना पर चिंतन की जरूरत है। जो पहले लोगों को खुश करता था, अब उसका ऐसा हश्र हो रहा है। यह न सिर्फ दर्शन के लिए दुखद अंत है, बल्कि युवती के जीवन पर भी एक दाग है। क्या यह वाकई वही शख्स था, जिसने हर किसी को हंसाया था? यह बात मन में बार-बार आती है। आपको यह कैसा लगा? यह कहानी बेहद मार्मिक है और शायद लंबे समय तक याद रखी जाएगी।

बेखौफ लुटेरे : गन पॉइंट पर व्यापारी से 80 लाख रुपये लूटे, वारदात सीसीटीवी में कैद

नई दिल्ली । दिल्ली के लाहौरी गेट थाना इलाके में एक अंगड़िया व्यापारी से लगभग 80 लाख रुपये की लूट का मामला सामने आया है। बदमाश ने पहले फायरिंग की और फिर रुपये से भरा बैग छीनकर फरार हो गए। घटना हवेली हैदर कुली चांदनी चौक की है। लूट की पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। गन पॉइंट पर हुई लूट का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।वायरल वीडियो में साफ देखा जा रहा है कि व्यापारी हवेली हैदर कुली चांदनी चौक में बैग लेकर जा रहा है। आसपास की दुकानों पर लोग भी हैं। इसी बीच उसके पीछे एक बदमाश आता है और अचानक उससे पिस्टल सटा देता है। इसके बाद बदमाश व्यापारी से बैग छीन लेता है। हालांकि, इस दौरान व्यापारी उससे बैग नहीं छीनने का

अनुरोध भी करता है, लेकिन वह बैग लेकर फरार हो जाता है। इलाके में मौजूद दीपक ने मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि इलाके में सोमवार शाम छह से सात बजे के बीच अचानक भगदड़ हुई। पता चला कि एक व्यापारी के साथ लूट हो रही है। तीन से चार लोगों ने मास्क लगा रखा था और कुछ ने मास्क नहीं लगाया था। इस मार्केट में महिलाएं भी रहती हैं और शॉपिंग करती हैं। हालांकि, किसी के साथ कोई हादसा नहीं हुआ। लूट जरूर हुई है। व्यापारी सुरक्षित है। अभी बदमाशों का कोई सुराग नहीं लगा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं, प्रमोद यादव ने बताया कि यहां पर शाम छह से सात बजे के बीच लूट की घटना हुई है। चार से पांच लोगों ने मिलकर एक व्यापारी को लूटा है। आरोपी फायरिंग कर व्यापारी से रुपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। व्यापारी का अंगड़िया काम करता है। लूट की वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मेन चांदनी चौक रोड की तरफ गए थे। लूट का वीडियो वायरल होने के बाद उत्तरी जिले की कई अलग-अलग पुलिस की टीमें मामले की जांच कर रही हैं। पुलिस पीड़ित से भी पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि आरोपियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लखनऊ-सुल्तानपुर ट्रैक पर बड़ा हादसा, ट्रक और मालगाड़ी के बीच टक्कर, एक गंभीर रूप से घायल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लखनऊ-सुल्तानपुर रेलवे ट्रैक पर मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ। निहालगढ़ के पास एक ट्रक रेलवे फाटक को तोड़ते हुए पटरी पर आ गया और ठीक उसी समय आ रही मालगाड़ी से टकरा गया। इस हादसे में मालगाड़ी का इंजन, ओएचई, इलेक्ट्रिक लाइन, पोल और बैरिकेडिंग क्षतिग्रस्त हो गए।

जानकारी के अनुसार, ट्रक करीब 100 मीटर तक मालगाड़ी के साथ घिसटता चला गया। हादसे में ट्रक का चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है।हादसे के बाद लखनऊ-सुल्तानपुर-वाराणसी रेलवे ट्रैक पूरी तरह से बाधित हो गया। ट्रैक पर गुजरने वाली सभी गाड़ियां जहां थीं, वहीं खड़ी हो गईं। रेलवे कर्मचारियों ने क्षतिग्रस्त रेलवे लाइन को ठीक करने और ट्रक को ट्रैक से हटाने का काम शुरू कर दिया है। मौके पर उत्तर रेलवे मंडल लखनऊ के अधिकारी और रेलवे सुरक्षा एवं संरक्षा टीम मौजूद है, जो यातायात बहाल करने के लिए काम कर रही है।

इस हादसे के कारण रायबरेली-अयोध्या हाईवे पर दोनों तरफ भारी जाम लग गया। जाम को कम करने के लिए रूट को डायवर्ट किया गया। अयोध्या की तरफ से आने वाले वाहनों को रानीगंज से वारिसगंज के रास्ते लखनऊ-वाराणसी हाईवे पर डायवर्ट किया गया। वहीं, रायबरेली, सुल्तानपुर और प्रतापगढ़ से अयोध्या धाम जाने वाले वाहनों को जगदीशपुर चौराहे और श्रीरामगंज चौराहे पर रोककर अन्य रास्तों से गुजरने दिया गया।रेलवे और यातायात विभाग द्वारा ट्रैक की मरम्मत और सड़क पर जाम हटाने के प्रयास जारी हैं। लखनऊ के डीआरएम एस.एम. शर्मा ने बताया कि रेलवे क्रॉसिंग फाटक पर एक ट्रक फंस गया था, तभी एक मालगाड़ी आ गई, जिससे उसकी टक्कर हो गई। ट्रक चालक की गलती है, वह बीच में आकर फंसा था। उन्होंने बताया कि इस घटना में रेलवे के किसी भी कर्मचारी को क्षति नहीं पहुंची है। हादसे की जांच चल रही है।

शीतला माता मंदिर में श्रद्धालुओं ने पूजा कर की बच्चों के स्वास्थ्य की कामना

जनता की खोज

शिकारपुर। होली त्यौहार के बाद मंगलवार को प्रातः में नगर की महिलाओं ने 1 दिन का व्रत रखकर माता शीतला की गुड़ के मीठे चावल और से पूजा-अर्चना की और विभिन्न पकवानों से भोग लगाया। इस दौरान शीतला माता की पूजा अर्चना कर लोगों ने परिवार की खुशहाली को दुआएं मांगी। इस दौरान माता के मंदिरों पर खासी भीड़ रही। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार होली पर्व के पश्चात आने वाले पहले मंगल को शीतला माता की पूजा कर जल चढ़ाया जाता है। मान्यता है कि होलिका को ठंडा करने के लिए शीतला माता पर जल अर्पण करते है। मंगलवार को जैन धर्मशाला के सामने मां चामुंडा मंदिर मठ व गांव खंडवा या स्थित शीतला

मंदिर में तड़के से ही महिलाओं की भीड़ जुटने शुरू हो गई थी जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया बच्चों की भीड़ बढ़नी शुरू हो गई। नगर के सभी क्षेत्रों में प्रातः में बने हुए बासी भोजन के साथ महिलाओं ने मीठे चावल पूरी और गूलरियो से माता के भक्ति गीत गाते हुए बसोड़ा पूजन में मां शीतला की पूजा अर्चना की। मां शीतला को गुड़ के मीठे चावल और पकवान से भोग लगाकर महिलाओं ने मनोकामना पूर्ण होने की कामना की। श्रद्धालु महिलाओं के अनुसार मां शीतला हमारे परिवार बच्चों पर कृपा बरसाती है और बच्चों को चेचक नतथा अन्य तरह की बीमारियों से बचाती है ऐसी मान्यता है कि इसलिए रात के बने हुए ठंडे भोजन से मां शीतला को भोग लगाने से वह प्रसन्न होती हैं। इस दौरान बाहर लगे मेले में महिलाओं के बच्चों ने जमकर चाट पकड़ो का लुफ्त उठाया, और एकत्र श्रद्धालुओं ने एक साथ बैठकर भोजन किया।

ऐडवांस्ड फाइनेन्शियल अकाउंटिग प्रोग्राम पर छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

जनता की खोज

बुलंदशहर । गौरी शंकर कन्या महाविद्यालय, बुलन्दशहर में वाणिज्य विभाग द्वारा छात्राओं के व्यावसायिक कौशल विकास हेतु ऐडवांस्ड फाइनेन्शियल अकाउंटिग प्रोग्रामद्य पर छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के द्वितीय दिवस का उद्देश्य छात्राओं को आधुनिक लेखांकन प्रणालियों एवं सॉफ्टवेयर का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान कराना था। प्रथम सत्र में कम्प्यूटर प्रशिक्षक कु0 गुंजन द्वारा अकाउंटिंग मास्टर इन टैली ERP9 विषय पर प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उन्होंने छात्राओं को टैली ERP9 में अकाउंटिंग मास्टर्स निर्माण व संचालन की

प्रक्रिया को विस्तारपूर्वक समझाया।

द्वितीय सत्र में कम्प्यूटर प्रशिक्षक कु0 नेहा द्वारा इन्वेटरी मास्टर्स इन टैली ERP9 पर प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें उन्होंने छात्राओं को स्टॉक ग्रुप्स, स्टॉक आइटम्स, यूनिट्स ऑफ मेजर आदि का निर्माण तथा प्रबधंन करने की तकनीक पर व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया। इन दोनों सत्रों में छात्राओं को सॉफ्टवेयर के माध्यम से लेखांकन एवं इन्वेन्टरी प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ, जिससे उनके व्यावसायिक कौशलों का विकास हुआ।

महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ0 अंशु बंसल जी ने इस कार्यशाला की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के तकनीकी प्रशिक्षण छात्राओं को भविष्य के लिए सक्षम बनाते हैं। कार्यक्रम का आयोजन वाणिज्य विभाग की प्राध्यापिका कु0 मोनिका चधरी एवं कु0 सुरभि श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

मूल्यांकन केन्द्रों पर उत्तर पुस्तिका पहुंची,आज से मूल्यांकन शुरू:डा.विनीता

जनता की खोज

हापुड़। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद की हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की बोर्ड परीक्षा

- सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में एसएसवी व एसएसके इंटर कालेज में होगा मूल्यांकन
- मूल्यांकन कार्य में 948 उप प्रधान व परीक्षक लगाये गये
- मूल्यांकन केन्द्रों पर नियुक्त परीक्षकों को प्रशिक्षण दिया:विजय गर्ग

2025 की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन कार्य आज बुधवार से 2 अप्रैल तक मूल्यांकन केन्द्र एसएसवी इंटर कालेज व एसएसके इंटर कालेजों में सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में होगा। दोनों केन्द्रों पर करीब एक लाख 80 हजार उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन होगा। मूल्यांकन कार्य के लिए 948 उप प्रधान व परीक्षक लगाये गये है। मंगलवार को उपनियंत्रकों द्वारा परीक्षकों को मूल्यांकन से सम्बंधित प्रशिक्षण दिया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक डा.विनीता ने बताया कि हाईस्कूल व इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए यूपी बोर्ड द्वारा दिल्ली रोड स्थित एसएसवी इंटर कालेज व मेरठ रोड स्थित एसएसके इंटर कालेज को मूल्यांकन केन्द्र बनाया गया है। जहां सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में मूल्यांकन कार्य आज 19 मार्च से शुरू होकर आगामी 2 अप्रैल तक चलेगा।

एसएसवी इंटर कालेज में इंटरमीडिएट व एसएसके इंटर कालेज में हाईस्कूल की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन होगा। उन्होंने बताया कि हाईस्कूल की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए उप प्रधान 31,परीक्षा 266 इंटरमीडिएट की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करने के लिए 61 उप प्रधान व 590 परीक्षक लगाये गये है। मूल्यांकन कार्य से यदि कोई उप निरीक्षक व परीक्षक बिना किसी समुचित कारण के अनुपस्थित रहता है,तो उसके खिलाफ कार्यवाही अमल में जाई जायेगी।

बताया गया कि एसएसके इंटर कालेज मूल्यांकन केन्द्र में हाईस्कूल की 1 लाख 13 व एसएसवी में इंटरमीडिएट की 67 हजार उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन होगा। उपनियंत्रक विजय कुमार गर्ग व प्रभु दयाल जयंत ने बताया कि दोनों केन्द्रों पर मूल्यांकन के लिए उत्तर पुस्तिकाएं पहुंच गयी है। मंगलवार को उनके द्वारा मूल्यांकन से सम्बंधित परीक्षकों को प्रशिक्षण दिया गया है।

जिला अस्पताल में मरीजों के साथ हुई लापरवाही को नहीं किया जाएगा बर्दाश्त : प्रदीप चौधरी

जनता की खोज

बुलंदशहर । जिला अस्पताल की लापरवाही की सूचना पर आज जिला अस्पताल का सदर विधायक प्रदीप चौधरी औचक निरीक्षण किया वहां स्टोर पर जाकर के दवाइयां की एक्सपायरी डेट चेक की इमरजेंसी वार्ड में जाकर भर्ती रोगियों से वार्ता कर मिल रहे इलाज की जानकारी प्राप्त की व अस्पताल में साफ सफाई का निरीक्षण किया, उपस्थित

अधिकारियों को निर्देशित किया कि कल जो एक मरीज के साथ लापरवाही हुई ऐसी पुनरावृत्ति द्वारा ना हो नहीं तो इसकी शिकायत मा0 मुख्यमंत्री से करूंगा, मैं अपने प्रस्ताव पर अब तक लगभग ढाई करोड रुपए मा0 मुख्यमंत्री से मुख्यमंत्री राहतकोष से गंभीर बीमारी के इलाज के लिए मरीजों को दिलवा चुका हूं,। केंद्र सरकार व प्रदेश की योगी सरकार की मनसा है की बिना इलाज के किसी भी व्यक्ति की मृत्यु ना हो और इलाज से कोई भी बीमार व्यक्ति वंचित न रहे।

शिव मन्दिर में प्रतिमा खंडित होने से हिन्दू संगठनों में रोष

जनता की खोज

बुलंदशहर। पहासू के मोहल्ला कानून गोयन स्थित शिव मन्दिर में शिव परिवार से पार्वती की प्रतिमा खंडित होने की खबर सुनते ही लोग मन्दिर के पास एकत्र हुए। लोगों ने मूर्ति खंडित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाई करने के लिए की मांग को लेकर हंगामा किया। घटना की सूचना मिलने पर शिकारपुर सीओ मय फोर्स के साथ मन्दिर पहुँचे तथा लोगों को समझाकर शांत किया। पुलिस के अनुसार मन्दिर के पास से एक 14 वर्षीय किशोर को देखा गया। किशोर बोलने और सुनने में असमर्थ था। किशोर की बाजू पर एक मोबाइल नंबर गुदा हुआ था। उस नंबर पर पता करने पर बताया गया कि वह किशोर मंद बुद्धि है तथा मूक बधिर है। पुलिस ने बाल अपचारी को पकड़ लिया है बीती रात हुई घटना के बाद पहासू चौकी प्रभारी संजय कुमार की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मोनाड विश्वविद्यालय के छात्रों ने पीजेएमटी नेशनल ग्रीन अर्थ चैलेंज प्रतियोगिता के नॉर्थ जोनल राउंड में प्रथम स्थान प्राप्त किया

संवाददाता

पिलखुवा । मोनाड विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के छात्रों ने प्रेम जैन मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा प्रायोजित पीजेएमटी नेशनल ग्रीन अर्थ चैलेंज प्रतियोगिता जिसे मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद द्वारा आयोजित किया गया में प्रतिभाग किया। जिसमें वि०वि० के छात्र मोहम्मद साहिल बी.टेक मैकेनिकल तृतीय वर्ष, याशिका वाही, बी.टेक कम्प्यूटर साइंस प्रथम वर्ष और विशाल कुमार बी.टेक कम्प्यूटर साइंस तृतीय वर्ष ने पीजेएमटी नेशनल ग्रीन अर्थ चैलेंज के नॉर्थ जोनल राउंड में अपने नवाचारी स्टार्ट-अप प्रोजेक्ट 'स्मार्ट इलेक्ट्रिक वाहन का प्रदर्शन किया और अपनी अद्भुत प्रतिभा व समर्पण का परिचय देते हुये प्रथम स्थान प्राप्त किया, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु उन्हें पच्चीस हजार की प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। वहीं इस प्रतियोगिता के राष्ट्रीय राउंड के लिए भी छात्रों ने सफलतापूर्वक

अर्हता प्राप्त की। छात्रों की इस सफलता पर वि०वि० के प्रतिकुलाधिपति डॉ० एन०के० सिंह, कुलपति डॉ० एम० जावेद, उपकुलपति एवं कुलसचिव कर्नल डॉ० डी०पी० सिंह, उपकुलपति (प्रशासनिक) प्रो० योगेश पाल सिंह, उपकुलपति (अकादमिक) डॉ० जयदीप कुमार एवं उपकुलपति (प्रवेश) रोहित शर्मा ने छात्रों को बधाई दी तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।इस प्रतियोगिता में मैकेनिकल विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ० विशाल वशिष्ठ ने छात्रों का सफल मार्गदर्शन किया।

इस प्रतियोगिता में एनआईटी दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय और अन्य कई संस्थानों के छात्र एवं छात्राओं सहित लगभग बीस टीमों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के संकायाध्यक्ष विकास त्यागी सहित समस्त शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को बधाई दी।

गैर इरादतन हत्या की घटना में वांछित अभियुक्त एक अवैध चाकू सहित गिरफ्तार

जनता की खोज

शिकारपुर । 16 मार्च को वादी भूपेन्द्र पुत्र बनारसी दास निवासी ग्राम घुंगरावली बनवारीपुर थाना सलेमपुर जनपद बुलन्दशहर द्वारा थाना सलेमपुर पर तहरीर दी गयी कि दिनांक 15.03.2025 की शाम को उसके भाई गोपाल को लखेन्द्र सिंह उर्फ लाखन उर्फ लखन पुत्र गजेन्द्र सिंह निवासी ग्राम धतूरी थाना सलेमपुर जनपद बुलन्दशहर घर से घुमाने के बहाने ले गया था जिसका शव दिनांक 16.03.2025 की सुबह ग्राम चित्सौना के राकेश शर्मा की ट्यूबवेल पर मिला हैं। इस सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना सलेमपुर पर मुअसं- 76/25 धारा 105 बीएनएस व 3(2)5 एससीएसटी एक्ट बनाम लखेन्द्र सिंह उर्फ लाखन उर्फ लखन उपरोक्त पंजीकृत किया गया।

उक्त घटना के क्रम में आज दिनांक 18.03.2025 को थाना सलेमपुर पुलिस द्वारा अभियुक्त लखेन्द्र सिंह उर्फ लाखन उर्फ लखन को

एक अवैध चाकू सहित गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी व बरामदगी के संबंध में थाना सलेमपुर पर मुअसं- 79/25 धारा 4/25 शस्त्र अधि0 पंजीकृत कर अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। पुलिस पूछताछ मेंगिरफ्तार अभियुक्त का नाम पता--लखेन्द्र सिंह उर्फ लाखन उर्फ लखन पुत्र गजेन्द्र सिंह निवासी ग्राम धतूरी थाना सलेमपुर जनपद बुलन्दशहर बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक अवैध चाकू बरामद किया। घटना का विवरणः- अभियुक्त लखेन्द्र सिंह उर्फ लाखन उर्फ लखन ने पूछताछ पर बताया कि गोपाल लगभग एक माह पूर्व चोरी के मुकदमे में रिहा होकर आया था तथा जेल में ही उसकी मुलाकात मेरे से हुई थी, मैं भी जेल मे चोरी के मुकदमें में जिला कारागार मे निरूद्ध था। हम दोनों में गहरी दोस्ती हो गयी थी। दिनांक 15.03.2025 की शाम को गोपाल और मै दोनों ट्यूबवेल पर बैठकर शराब पी रहे थे। शराब के नशे में किसी बात को लेकर आपस में कहासुनी हो गयी और मैने गोपाल को धक्का दे दिया जिससे अचानक गोपाल का सिर पानी की कुण्डी में लग गया जिससे उसकी मृत्यु हो गयी तथा मैं वहां से डर कर भाग गया। मेरा उसे मारने का कोई इरादा नहीं था। गिरफ्तार करने वाली टीम लोकेश अग्निहोत्री थाना प्रभारी सलेमपुर.उ0नि0 सचिन कुमार, उ0नि0 अनुराग गौतम है0का0 गुलफाम शामिल रहे।

दी-बार एसोसिएशन ने चुनावों के लिए तहसील बार सदन में की बैठक

संवाददाता

शिकारपुर। तहसील में दी-बार एसोसिएशन के द्वारा मंगलवार को तहसील बार सदन में एक बैठक की गई। जिसमें वर्ष 2024-25 के कार्यकाल की समाप्ति की घोषणा की गई एवं चुनाव अधिकारी के लिए केवल एक नामांकन एडवोकेट राकेश कुमार शर्मा का प्राप्त हुआ। चुनाव का कार्यक्रम पृथक से जारी किया जाएगा। यह जानकारी दी-बार एसोसिएशन निवर्तमान अध्यक्ष एडवोकेट के.एल. प्रभात के द्वारा दी गई। इस अवसर पर एड. राहुल भारद्वाज, एड. हिमांक गुप्ता, एड. अमर सिंह राठौर, एड. टीपी शर्मा, एड. मूल कुमार गौड, एड. कांति प्रसाद

के.एल. गोस्वामी, एड. प्रकाश वीर यादव, एड. सरदार सिंह, एड. प्रदीप कुमार गिरी, एड. संजय बरगौती आदि एडवोकेट मौजूद रहे।

भाजपा का दूसरी बार जिला अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

जनता की खोज

बुलंदशहर। भारतीय जनता पार्टी का दूसरी बार जिला अध्यक्ष बनने पर विकास चौहान को भाजपा के पदाधिकारी से लेकर कार्यकताओं ने उनके आवास पर पहुंचकर बधाई मिठाई खिलाकर व पटका पहना कर शुभकामनाएं दी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने आपको दूसरी

बार जिला अध्यक्ष बनाया है आपके जिला अध्यक्ष बनने से आने वाले 2027 के विधानसभा चुनाव में जिले की सातों विधानसभा सीट प्रचंड जीत हासिल करेगी और उत्तर प्रदेश में योगी जी की सरकार बनेगी वही इस मौके पर अंकुर अग्रवाल डॉक्टर संजीव अग्रवाल लव बंसल कुलजीत सिंह अजमानी मनोज बेरी सचिन राठौर तमाम भाजपा के लोगों ने बधाई दी।

घर मे घुस कर युवती से छेड़छाड़,केस दर्ज

जनता की खोज

पहासू। थाना के एक गांव निवासी युवती ने गांव के ही युवक के खिलाफ घर मे घुस कर छेड़छाड़ करने तथा अश्लील हरकत करने की शिकायत की है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने गांव महुआखेड़ा निवासी आरोपी दिलीप उर्फ टिंकू के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता के अनुसार आने पिता की मृत्यु के बाद वह नोकरी कर अपनी माँ के साथ अपना घर चलाती है।आरोपी बार बार उस पर गलत कमेंट और अश्लील इशारे करता है। बीती 16 मार्च को आरोपी उसके घर घुस आया तथा उसके साथ जबरन सम्बन्ध बनाने की कोशिश की। शोर सुनकर मां व गांव के अन्य लोगों के आने पर वह भाग गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संगत घराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

गैंगस्टर के आरोपी को 02 वर्ष का कारावास व 05 हजार रुपये के अर्थदण्ड की सजा

जनता की खोज

बुलंदशहर । ऑपरेशन कन्विक्शन" अभियान के क्रम में बुलन्दशहर पुलिस द्वारा प्रभावी पैरवी कर गैंगस्टर के आरोपी को 02 वर्ष का कारावास व 05 हजार रुपये के अर्थदण्ड की सजा दिलवायी गयी अभियुक्त कैलाश पुत्र मोहन सैनी निवासी मंगलपुर थाना जहांगीराबाद जनपद बुलन्दशहर द्वारा वर्ष- 2008 में संगठित गिरोह बनाकर जनता में भय व आतंक उत्पन्न कर धन अर्जित करने की दुस्साहसिक घटना कारित की गयी थी जिसके संबंध में दिनांक 23.08.2008 को थाना नरसैना पर मुअसं- 190/2008 धारा- 3(1) उ0प्र0 गिरोहबन्द एवं समाज विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधि0 पंजीकृत किया गया तथा दिनांक 16.07.2009 को पुलिस द्वारा मा0

न्यायालय में आरोप पत्र प्रेषित किया गया। इस अभियोग को पुलिस महानिदेशक, उ0प्र0 द्वारा चलाये जा रहे अभियान "ऑपरेशन कन्विक्शन" के अन्तर्गत चिन्हित करते हुए मॉनीटरिंग सैल बुलन्दशहर द्वारा मा0 न्यायालय में सशक्त, प्रभावी पैरवी कर अभियोजन की कार्यवाही सम्पन्न करायी गई। जिसके परिणामस्वरुप न्यायाधीश चन्द्र विजय श्रीनेत (मा0 न्यायालय एडीजे-08/स्पेशल गैंगस्टर एक्ट जनपद बुलन्दशहर) द्वारा दोष सिद्ध पाये जाने पर अभियुक्त कैलाश को 02 वर्ष का कारावास व 05 हजार रुपये अर्थदण्ड की सजा से दण्डित किया गया अभियोजन पक्ष की ओर से पैरवी करने वाले अभियोजक योगेश कुमार का योगदान सराहनीय रहा है। प्रभावी पैरवी कर अभियुक्त को सजा दिलाना बुलन्दशहर पुलिस की बड़ी सफलता है।

सम्पादकीय

भारत के सामने नई चुनौतियां

हले व्यापार एवं शुल्क के बारे में सामान्य समझौते (गैट) और फिर डब्लूटीओ के गठन के लिए हुए समझौते में विकासशील देशों को अधिक शुल्क लगाने की अनुमति दी गई थी। मगर अब वे मनमाने ढंग से टैरिफ लगा रहे हैं।

भारत सरकार के सामने नई चुनौतियां आ खड़ी हुई हैं। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने अमेरिकी कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करते हुए फिर से भारत का नाम उन देशों के साथ लिया, जिनके बारे में उनकी राय है कि इन देशों ने अपनी ऊंची शुल्क दर से अमेरिका की नरम नीति का फायदा उठाया है।

इन देशों पर उन्होंने अगले दो अप्रैल से 'जैसे को तैसाइ टैक्स लगाने का एलान किया- यानी जो देश जिस दर से अमेरिकी वस्तुओं पर आयात शुल्क लगाता है, अब उसके उत्पादों पर उतना ही शुल्क अमेरिका में लगेगा।

चूंकि ट्रंप किसी वर्तमान अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को नहीं मानते, तो वे यह नहीं बताते कि उन देशों को पुराने अमेरिकी प्रशासनों ने क्यों ऊंची दर से शुल्क लगाने दिया था। हैरतअंगेज है कि भारत सरकार या विपक्ष ने भी अपनी जनता को इस बारे में जागरूक करने का प्रयास नहीं किया है। पहले व्यापार एवं शुल्क के बारे में सामान्य समझौते (गैट) और फिर विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) के गठन के लिए हुए समझौते में विकासशील देशों को अधिक शुल्क लगाने की अनुमति दी गई थी। मकसद न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था बनाना था। मगर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में ही डब्लूटीओ में न्यायाधीशों की नियुक्ति रोक कर इस संगठन को निष्क्रिय कर दिया। अब वे मनमाने ढंग से टैरिफ लगा रहे हैं।

इससे भारत में फैली घबराहट का अंदाजा इसी से लगता है कि भारत के दवा निर्यातकों ने सरकार से अमेरिकी दवाओं पर आयात शुल्क कर देने की मांग की है, ताकि 'जैसे को तैसाइ टैरिफ के असर से वे बच जाएं। मगर यह फैसला आसान नहीं है। नई अमेरिकी टैरिफ से विभिन्न उत्पाद प्रभावित होंगे, तो क्या सब पर आयात शुल्क शून्य किया जा सकता है? क्या केंद्र देश के व्यापार लाभ को शून्य करने का जोखिम उठाने की स्थिति में है?

वैसे चुनौतियां और भी हैं। मसलन, अमेरिकी तकनीकी एवं वित्तीय सेवा कंपनियों ने भारत डिजिटल डेटा संरक्षण अधिनियम के नियमों के तहत डेटा को भारत में ही रखने संबंधी प्रावधान को लागू ना करने की मांग की है। क्या भारत सरकार इसे भी मानेगी?

बदलती हवा के साथ

अभी जबकि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा प्रदान करने के लिए स्पेसएक्स को भारत में लाइसेंस हासिल नहीं हुआ है, एयरटेल भारती ने उसके साथ करार कर लिया है। नतीजतन स्पेसएक्स के खिलाफ मोर्चे में रियालंस जियो अकेली पड़ गई है।

अभी पांच महीने नहीं हुए हैं, जब भारती एयरटेल कंपनी ने रिलायंस जियो के साथ साझा रुख लेते हुए भारत सरकार से कहा था कि सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के लिए स्पेक्ट्रम का आवंटन नीलामी के जरिए हो। यह मांग इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के विपरीत थी, जो यह सरकारी फैसले से आवंटन चाहती है। इस बीच अमेरिका में डॉनल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने और उसमें मस्क को प्रमुख भूमिका मिलने से हवा का रुख बदल गया है। तो एयरटेल भारती को संभवतः महसूस हुआ कि स्पेसएक्स के भारत में प्रवेश को रोकना अब मुमकिन नहीं रहा। ऐसे में रुख बदल लेना उसने फायदेमंद समझा। और अब वह खुद भारत में स्पेसएक्स की स्टारलिंक सेवा प्रदान करेगी। अभी जबकि स्पेसएक्स को भारत में लाइसेंस हासिल नहीं हुआ है, एयरटेल भारती ने उसके साथ करार कर लिया है। नतीजतन स्पेसएक्स के खिलाफ मोर्चे में रियालंस जियो अकेली पड़ गई है। वैसे संभव है कि भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा देने का लाइसेंस एक से ज्यादा कंपनियों को मिले। फिर भी 60 से ज्यादा देशों में यह सेवा दे रही स्पेसएक्स के साथ बाजार में कड़ी प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा। इस रूप में रिलायंस ग्रुप के लिए यह अच्छी खबर नहीं है। वैसे ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं पर ध्यान दें, रिलायंस के लिए चुनौती सिर्फ यही नहीं है। ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका से पेट्रोलियम की अधिक खरीदारी और अमेरिकी कंपनियों को भारत में 'समान धरातलइ दिलवाने के लिए भी भारत पर दबाव बना रखा है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के विभिन्न कारोबार में अमेजन एवं वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली फ्लिपकार्ट जैसी कंपनियों से सीधी होड़ है।

विदेशी महिलाओं से दुष्कर्म से शर्मसार होता देश

ललित गर्ग

अतिथि देवो भवः भारतीय संस्कार में मेहमान को भगवान का दर्जा दिया गया है, लेकिन आए दिन विदेशी मेहमानों के साथ हो रहे अपराध, यौन-दुराचार एवं व्यभिचार इसे धता बता रहे हैं। तमाम कोशिशों के बावजूद विदेशियों के साथ होने वाले अपराध कम नहीं हो रहे, ऐसी ही दो विदेशी महिलाओं संग हुई दरिंदगी की घटनाओं को सुन भारतीय लोगों का दिल दहल गया। कर्नाटक के हंपी में इस्राइली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ गैंगरेप की घटना का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि दिल्ली में एक ब्रिटिश पर्यटक से दुराचार का घृणित मामला सामने आया है। थोड़े-थोडे. अन्तराल के बाद होने वाली ऐसी घटनाएं न केवल शर्मसार कर रही है बल्कि भारत के संस्कारों एवं अस्मिता पर भी दाग लगा रही है। हाल के दिनों में भारत में यौन अपराधों की बाढ़-सी आई हुई है। न केवल विदेशी बल्कि भारतीय महिलाओं के साथ घृणित यौन अपराधों की इन तमाम घटनाओं को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस नैतिक पराभव का कारण क्या है? कहीं न कहीं ये जीवन मूल्यों में क्षरण एवं विकृत होती मानसिकता का भी परिचायक है। दरअसल, इंटरनेट और कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री की बाढ़-सी आई हुई है। देश का युवा उसकी चपेट में आकर भटकाव की राह में बढ़ रहा है, जिसे नियंत्रित करना सरकार एवं प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए एवं सामाजिक जागृति का माहौल भी बनाया जाना चाहिए।

निश्चय ही विदेशी महिलाओं के साथ होने वाले ऐसे घिनौने एवं दुराचारी कृत्य देश की छवि को धूमिल करने वाले है। हंपी की घटना तो भयावह थी, जिसमें रात में कैंपिंग कर रहे तीन पर्यटकों को नहर में फेंक दिया गया और तीन अपराधियों ने इस्राइली महिला व एक भारतीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं नदी में फेंके गए एक पर्यटक की मौत हो गई, जिसका शव बरामद कर लिया गया। पर्यटकों में एक अमेरिकी व दो भारतीय थे। बदमाशों ने न केवल दुष्कर्म किया बल्कि मारपीट व लूटपाट भी की। हालांकि, तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन देश की प्रतिष्ठा को जो आंच आई है, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं। इसने न सिर्फ समाज की छवि को धूमिल किया, बल्कि देश की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा पर भी प्रभाव डाला है। यह भारतीय पर्यटन को आहत कर सकता है, बहुत संभव है कि विदेशी सरकारें भारत आने वाले पर्यटकों को लेकर कोई नकारात्मक एडवाइजरी जारी करें।

समाज विज्ञानियों को आत्ममंथन करना होगा कि यौन अपराधों को लेकर सख्त कानून बनने के बावजूद इस आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है? विदेशों में भारत की छवि यौन अपराधियों के चलते लगातार क्षत-विक्षत हो रही है। गाहे-बगाहे सुनसान पर्यटक स्थलों पर यौन दुर्व्यवहार की घटनाएं अक्सर सुनने को मिलती हैं। लेकिन दिल्ली के एक होटल में एक ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म का मामला अधिक चिन्ताजनक है। एक युवक ने सोशल मीडिया पर दोस्ती करके भारत घूमने आई ब्रिटिश महिला को दिल्ली बुलाया और एक होटल में दुष्कर्म किया। इस मामले में ब्रिटिश दूतावास ने संज्ञान लिया है। सवाल है कि जब ऐसी कोई आपराधिक घटना हो जाती है और जनाक्रोश उभरता तथा मामला तूल पकड़ लेता है, तभी सरकार, प्रशासन एवं पुलिस की

नींद क्यों खुलती है? यही सक्रियता अगर सामान्य स्थितियों में भी कायम रहे, तो शायद आपराधिक प्रवृत्ति वाले व्यक्ति के भीतर कानूनी कार्रवाई का डर बन सकता है और इस तरह ऐसे अपराधों को पहले ही रोका जा सकता है।

विदेशी महिलाओं के प्रति यह संवेदनहीनता एवं बर्बरता कब तक चलती रहेगी? भारत विकास के रास्ते पर तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन अभी भी कई हिस्सों में विदेशी महिलाओं को लेकर गलत धारणा एवं विकृत सोच कायम है जो भारत की गौरवपूर्ण संस्कृति को धुंधलाती है। देश की राजधानी दिल्ली में ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म की घटना ने एक बार फिर हमें शर्मसार किया है, झकझोर दिया है। बड़ा सवाल यह है कि नारी अस्मिता को कुचलने की हिंसक मानसिकता का तोड़ हम अब भी क्यों नहीं तलाश पा रहे हैं? क्यों नये-नये एवं सख्त कानून बन जाने के बावजूद नारी की अस्मिता एवं अस्तित्व असुरक्षित है? क्यों हमारे शहरों को ह्यरेप सिटी ऑफ द वर्ल्डह्ल कहा जाने लगा है। आखिर कब तक महिलाओं के साथ ये दरिन्दगीभरी एवं त्रासद घटनाएं होती रहेंगी? नारी की अस्मत का सरेआम लूटा जाना एवं उन पर हिंसा - एक घिनौना और त्रासद कालापृष्ठ है और उसने आम भारतीय को भीतर तक झकझोर दिया।

कौन मानेगा कि यह वही दिल्ली है, जो करीब तीन दशक पहले निर्भया के साथ हुई निर्ममता पर इस कदर आन्दोलित हो गई थी कि उसे इंसाफ दिलाने सड़कों पर निकल आई थी। जाहिर है, समाज की विकृत सोच को बदलना ज्यादा जरूरी है। रेप, यौन-दुष्कर्म, व्यभिचार जैसे अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए रेपिस्टों एवं दुष्कर्मियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने और पुलिस व्यवस्था को और चाक-चौबंद करने की मांग के साथ समाज के मन-मिजाज को दुरुस्त करने का कठिन काम भी हाथ में लेना होगा। ये घटनाएं शिक्षित समाज के लिए बदनुमा दाग है। अगर ऐसी घटनाएं होती रहीं तो फिर कानून का खौफ किसी को नहीं रहेगा और अराजकता की स्थिति पैदा हो जाएगी। कानून कितने भी क्यों न हों जब तक समाज स्वयं महिलाओं को सम्मान नहीं देगा तब तक कुछ नहीं हो सकता। समाज तमाशबीन बना रहेगा तो फिर कौन रोकेगा हैवानियत, दरिन्दगी को, बलात्कार को। जैसे-जैसे देश आधुनिकता की तरफ बढ़ता जा रहा है, नया भारत-सशक्त भारत-शिक्षित भारत बनाने की कवायद हो रही है, वैसे-वैसे महिलाओं पर हिंसा एवं यौनाचार के नये-नये तरीके और आंकड़े भी बढ़ते जा रहे हैं। अवैध व्यापार, बदला लेने की नीयत से तेजाब डालने, साइबर अपराध, आनलाइन मित्रता और लिव इन रिलेशन के नाम पर यौन शोषण एवं हिंसा के तरीके हैं। पहले कहा जाता था कि ऐसे अपराध केवल निरक्षर और दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा होते हैं लेकिन आजकल शहरों और महानगरों में महिलाओं एवं विशेषतः विदेशी महिलाओं के साथ अन्याय एवं यौन-दुष्कर्म की खबरें देखने और पढ़ने को मिल जाती हैं। हम सभी कल्पना रामराज्य की करते हैं पर रच रहे हैं महाभारत। महाभारत भी ऐसा जहां न कृष्ण है, न युधिष्ठिर और न अर्जुन। न भीष्म पितामह हैं, न कर्ण। सब धृतराष्ट्र, दुर्योधन और शकुनि बने हुए हैं। न गीता सुनाने वाला है, न सुनने वाला। बस हर कोई द्रोपदी का चीरहरण कर रहा है। सारा देश चारित्रिक संकट में है। जब समाज की मानसिकता दुराग्रहित है तो दुष्कर्म एवं दुष्प्रवृत्तियां ही होती हैं। कोई आदर्श संदेश राष्ट्र को नहीं दिया जा सकता। जब कभी ऐसी किसी खौफनाक, त्रासद एवं डरावनी घटना की अनेक दावों के बावजूद पुनरावृत्ति होती है तो यह हमारी जबावदारी पर अनेक सवाल खड़े कर देती है। प्रश्न है कि आखिर हम कब औरत की अस्मत को लुटने की घटना और हिंसक मानसिकता पर नियंत्रण कर पायेंगे? कब हम विदेशी लोगों को सुरक्षित एवं सम्मानजनक आतिथ्य प्रदान करने की पात्रता विकसित कर पायेंगे? अफसोसजनक यह है कि नये-नये नारों एवं उद्घोषों के साथ दुनियाभर के लोगों को भारत आने का आग्रह किया जाता है, मगर विदेश से भारत घूमने आने वाली महिलाओं के साथ ऐसी खौफनाक एवं डरावनी घटनाएं होना न केवल चिन्ताजनक बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण है।

मानवाधिकार प्रयासों को द्रुत गति देने की गंभीर आवश्यकता

मानवाधिकारों को सुनिश्चित करने की बढ़ती हुई आवश्यकता सीधा-सीधा शिक्षा तथा जागृति से जुड़ी हुई है' इसके बिना न तो व्यक्तित्व का विकास संभव है और ना ही जीवन यापन की किसी भी पहलू की अंतर्निहित प्रक्रिया ही पूरी होती दिखाई दे रही है' मानवाधिकार के अभाव में जनतंत्र और लोकतंत्र की कल्पना ही निरर्थक है। महिला शिक्षा तथा जागरूकता के अभाव में देश में सर्वाधिक मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाओं की शिकार महिलाएं तथा बच्चे ही हैं। अंतरराष्ट्रीय संगठन ऑफ ह्यूमन राइट्स वॉच की लगभग 175 देशों में मानवाधिकार की स्थिति का जायजा लेने वाली रिपोर्ट में भारत के संदर्भ में कहा गया है कि यहां महिलाओं तथा बच्चों आदिवासियों के मानव अधिकार से जुड़ी समस्याएं बहुत ज्यादा विकट विकृत और विकराल है। मानवाधिकार के बारे में जानकारी सीधे-सीधे किसी भी देश की शिक्षा, संस्कृति से जुड़ा हुआ सवाल है। देश के बहुत बड़े भूभाग में जहां आदिवासी और उनकी महिलाएं तथा बच्चे निवास करते हैं, वहां शिक्षा के अभाव में मानवाधिकार की कल्पना भी करना एक दुष्कर कार्य है। मानवाधिकार का संदर्भ सीधा सीधा किसी भी देश के शैक्षिक स्तर से जुड़ा हुआ है। भारत देश में मानवाधिकार संरक्षण इसलिए भी काफी पिछड़ा है क्योंकि सभी जिलों में मानव अधिकार आयोग एवं मानवाधिकार संबंधी जागरूकता का ना होना है,और नागरिकों का शिक्षा के प्रति लगाओ ना होना ही है। मानवाधिकार मूलभूत अधिकार हैं। मानवाधिकार के अंतर्गत जीवन जीने का अधिकार शिक्षा का अधिकार, जीविकोपार्जन का अधिकार ,वैचारिक स्वतंत्रता का अधिकार, समानता का अधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार, निजता का अधिकार, जैसे मूलभूत अधिकार शामिल है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्व के अधिकांश देशों में अधिकार संविधान द्वारा नागरिकों को प्रदान किए गए हैं।भारत में भी संविधान के भाग 3 के अनुच्छेद 14 से लेकर 35 तक नागरिकों को विभिन्न प्रकार के अधिकार दिए गए हैं। पूरे विश्व में मानवाधिकार को सुरक्षित सुरक्षित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एमनेस्टी इंटरनेशनल एक संस्था है जिसका मुख्यालय ब्रिटेन के लंदन शहर में स्थित है। वैसे तो मानवाधिकार की अवधारणा के इतिहास बहुत पुराना है। पर नवीन संदर्भों में इसकी अवधारणा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विकसित हुई है। वर्ष 1948 में संयुक्त राष्ट्र संघ की महासभा ने मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को स्वीकृत किया था। मानव अधिकार का उल्लेख प्राचीन भारतीय ग्रंथों में जैसे मनुस्मृति, हितोपदेश, पंचतंत्र, प्राचीन यूनानी दर्शन आदि में भी मिलता है। 1215 में इंग्लैंड में जारी किए गए मैग्नाकार्टा में नागरिक अधिकारों का विस्तृत उल्लेख तथा वर्णन है, पर उन अधिकारों को मानवाधिकार की संज्ञा नहीं दी जा सकती है। बहुत महत्वपूर्ण 1789 में फ्रांस की क्रांति के बाद वहां की राष्ट्रीय सभा ने नागरिकों के अधिकारों की घोषणा की थी।

संजीव ठाकुर

रिश्तों के बीच बढ़ती डिजिटल दीवार, स्क्रीन की रोशनी में बुझते रिश्ते

मोबाइल अब हमारे हाथ का एक साधारण उपकरण नहीं रह गया है–यह आधुनिक जीवन का सबसे गहरा और खामोश जाल बन चुका है। यह एक ऐसी चमकदार खिड़की है, जो खुलते ही हमें उस दुनिया में धकेल देती है, जहाँ अपनों की गर्माहट खो जाती है और अनजानों की भीड़ हमें घेर लेती है। घर में सब एक छत के नीचे हैं, फिर भी एक-दूसरे से मीलों दूर। हर कोई अपनी छोटी-सी स्क्रीन में कैद है–एक ऐसी आभासी दुनिया में खोया हुआ, जहाँ हजारों चेहरों की चमक तो है, पर अपनेपन की रोशनी नहीं। तकनीक ने हमें जोड़ने का सपना दिखाया था। कहा गया था कि दूरियाँ मिटेंगी, रिश्ते और गहरे होंगे। मगर हकीकत क्या है? दिलों के बीच ऐसी खाइयाँ बन गई हैं, जिन्हें पाटना अब किसी पहाड़ को हिलाने जितना मुश्किल लगता है। यह कैसा विकास है, जो हमें आगे ले जाने के बजाय पीछे की ओर धकेल रहा है–अकेलेपन की उस गहरी खाई में, जहाँ से निकलने का रास्ता ढूंढना हर दिन भारी पड़ता जा रहा है? कभी घर वह पवित्र ठिकाना हुआ करता था, जहाँ शामें हंसी-खुशी से गूंजती थीं। माता-पिता बच्चों के साथ बैठकर दिनभर की बातें करते थे, दादा-दादी अपनी पुरानी कहानियों से सबको जोड़ते थे, और हर पल एक याद बनकर मन में बस जाता था। लेकिन अब वह सुकून कहाँ? माता-पिता अपने फोन में वीडियो देखने में मशगूल हैं, जैसे बच्चों की बातें अब उनके लिए बेमानी हो चुकी हों। बच्चे अपने माँ-बाप से कुछ साझा करने के बजाय किसी सोशल मीडिया स्टार की बनावटी ज़िंदगी को सच मान बैठते हैं। और बुजुर्ग? वे तो बस कोने में बैठे एक उम्मीद बनकर रह गए हैं–उम्मीद कि शायद कोई उनकी ओर देख ले, दो पल बात कर ले। मगर उनकी आवाज अब उस नोटिफिकेशन की चीख के आगे दब चुकी है, जो हर किसी के लिए "जरूरी" बन गया है। एक स्क्रॉल, एक वीडियो, एक मैसेज–यह सब उस स्नेह से कहीं ज्यादा कीमती हो गया है, जो कभी परिवार की नींव हुआ करता था।

सोशल मीडिया ने रिश्तों को जोड़ने का ढोंग तो बहुत किया, मगर सच यह है कि उसने उन्हें चुपचाप तोड़ डाला। इंस्टाग्राम पर हंसते-मुस्कुराते चेहरे दिखते हैं, मगर घर की चारदीवारी के भीतर सन्नाटा पसरा रहता है। वॉट्सऐप पर रिश्तेदारों को "गुड मॉर्निंग" और "हैप्पी बर्थडे" के मैसेज भेजे जाते हैं, मगर

प्रो. आरके जैन अरिजीत, बड़वानी (मप्र)

असल में उनके घर जाकर गले लगाने का वक्त किसी के पास नहीं। त्योहारों की वह रौनक, जो कभी आंगन में बच्चों की भागदौड़ और बड़ों की बातों से गूंजती थी, अब स्टेटस अपडेट और वर्चुअल इमोजी तक सिमटकर रह गई है। लोग अब अपनों के बीच कम और स्क्रीन के पीछे छिपे अनजानों के बीच ज्यादा वक्त बिताते हैं। यह कैसी विडंबना है कि जिन रिश्तों को हम करीब से देख भी सकते हैं, उन्हें हम दूर की चमक में खो रहे हैं? बच्चों की दुनिया तो जैसे पूरी तरह उजड़ गई है। कभी वे गलियों में खेलते थे, पेड़ों पर चढ़ते थे, मिट्टी में लथपथ होकर हंसते थे। उनकी आँखों में सपने थे, उनके कदमों में आजादी थी। मगर अब? अब वे कमरे की चारदीवारी में कैद हैं, स्क्रीन पर उंगलियाँ घुमाते हुए। माता-पिता इसे "सुरक्षा" का नाम देते हैं। वे खुश हैं कि उनका बच्चा बाहर की बुरी संगत से बचा हुआ है। मगर वे यह नहीं देखते कि यह आभासी दुनिया उनकी असल ज़िंदगी को निगल रही है। उनकी आँखें कमजोर हो रही हैं, मोटे चश्मे उनकी मासूमियत पर भारी पड़ रहे हैं। उनकी कल्पनाशक्ति, उनकी सामाजिकता, उनका बचपन–यह सब उस नीली रोशनी में जलकर खाक हो रहा है। क्या यही सुरक्षित भविष्य है, जो हम उन्हें दे रहे हैं?युवाओं के लिए मोबाइल एक और भी गहरा जाल बन गया है।

दिन-रात सोशल मीडिया पर स्क्रॉल करना, लाइक्स और कमेंट्स की चमक में अपनी कीमत तौलना, एक बनावटी पहचान को सच मान लेना–यह सब उन्हें भीतर से खोखला कर रहा है। वे हर पल इस दबाव में जीते हैं कि उनकी तस्वीर को कितने लोग पसंद करेंगे, उनके वीडियो को कितने व्यूज मिलेंगे। इस चक्कर में वे अपनी असल ताकत, अपनी असल खूबसूरती को भूलते जा रहे हैं। डिप्रेशन, एंग्जायटी, आत्मसम्मान की कमी, असल ज़िंदगी में बात करने की हिम्मत का खत्म होना–यह सब उस आभासी दुनिया की देन है, जिसे वे अपना सब कुछ मान बैठते हैं।

क्या यह तरक्की है कि हमारी नई पीढ़ी स्क्रीन के पीछे अपनी पहचान ढूंढ रही है, जबकि असल दुनिया में वह खोती जा रही है? और बुजुर्ग–उनका क्या? वे तो इस तकनीकी तूफान में पूरी तरह पीछे छूट गए हैं। कभी वे घर के सबसे सम्मानित सदस्य हुआ करते थे। उनकी बातें सुनी जाती थीं, उनके अनुभवों से सीखा जाता था, उनके स्नेह में पूरा परिवार बंधा रहता था। मगर अब वे बस "पुराने ख्यालों" वाले कहलाते हैं।

हृदय का मरूस्थल कोई स्थायी अवस्था नहीं है

जनता की खोज

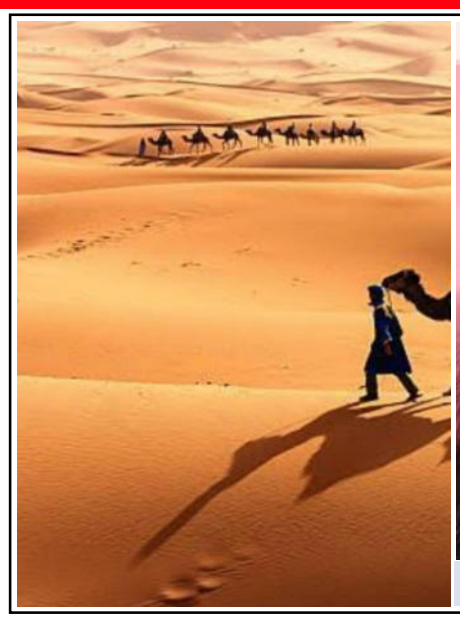

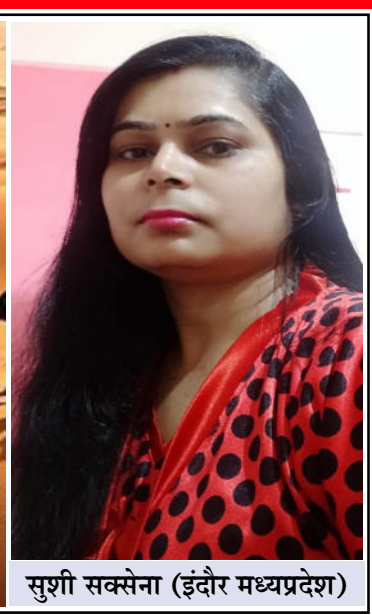

सुशी सक्सेना (इंदौर मध्यप्रदेश)

हृदय का मरूस्थल कोई स्थायी अवस्था नहीं है, बल्कि यह जीवन की कठिन परिस्थितियों की उपज होती है। यदि कोई व्यक्ति सही दिशा में प्रयास करे, तो वह फिर से अपने हृदय को संवेदनशील, प्रेमपूर्ण और ऊजार्वान बना सकता है। हर रेगिस्तान में कहीं न कहीं पानी का एक स्रोत अवश्य होता है, बस उसे खोजने की आवश्यकता होती है।

मनुष्य का हृदय भावनाओं का केंद्र होता है, जहाँ प्रेम, करुणा, सहानुभूति, और संवेदनशीलता के बीज अंकुरित होते हैं। लेकिन जब जीवन में निरंतर आघात, धोखा, असफलता, और उपेक्षा मिलती है, तो हृदय धीरे-धीरे एक मरूस्थल में परिवर्तित हो जाता है। एक ऐसा स्थान जहाँ संवेदनाएँ सूख जाती हैं, भावनाएँ निष्प्राण हो जाती हैं और व्यक्ति भीतर से शुष्क एवं निर्जीव महसूस करने लगता है। व्यक्ति भावनात्मक रूप से सुन्न हो जाता है और दूसरों पर विश्वास खो देता है। जब कोई व्यक्ति अपने विचारों और भावनाओं को साझा करने के लिए किसी को नहीं पाता, तो धीरे-धीरे उसका हृदय एक रेगिस्तान की तरह खाली और सूना महसूस करने लगता है। समाज में कई बार लोग अपने दुख और दर्द को खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते। लगातार भावनाओं को दबाने से व्यक्ति भीतर से कठोर और संवेदनाहीन होता चला जाता है।

जीवन में हम सभी कभी न कभी दिल के मरूस्थल से गुजरते हैं। यह एक ऐसी जगह है जहां प्यार, स्नेह और खुशी की कमी होती है। यहां की रेत पर पैरों के निशान होते हैं, जो प्यार की खोज में यहां आते हैं और जाते हैं। दिल का मरूस्थल एक ऐसी जगह है जहां दिल की धड़कनें धीमी होती जाती हैं और प्यार की यादें धीरे-धीरे मिटती जाती हैं। यहां की हरियाली की कमी और आसमान की उदासी इस मरूस्थल को और भी वीरान बना देती है। लेकिन फिर भी, इस मरूस्थल में एक उम्मीद होती है। एक उम्मीद कि एक दिन, प्यार की बारिश, यहां जरूर होगी। एक उम्मीद कि इस मरूस्थल को हरा-भरा बना देगी और दिल के टुकड़े फिर से जुड़ जाएंगे।

इस मरूस्थल से बाहर निकलने का मार्ग

अपने दुख, दर्द, और भावनाओं को स्वीकार करना और किसी विश्वसनीय व्यक्ति से साझा करना दिल को हल्का कर सकता है। स्वयं से प्रेम करना और खुद को महत्व देना, इस रेगिस्तान में एक नखलिस्तान की तरह काम कर सकता है। संवेदनाओं को व्यक्त करने के लिए संगीत, चित्रकला, कविता, या लेखन का सहारा लिया जाए तो दिल फिर से जीवन से भर सकता है।जीवन में नई आशाओं और नए संबंधों की तलाश से यह भावनात्मक सूखा धीरे-धीरे हरियाली में बदल सकता है।

दिल का मरूस्थल हमें यह सिखाता है कि जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लेकिन हमें कभी हार नहीं माननी चाहिए। हमें हमेशा उम्मीद रखनी चाहिए कि एक दिन, सब कुछ ठीक हो जाएगा। इसलिए, अगर आप भी दिल के मरूस्थल से गुजर रहे हैं, तो हार न मानें। उम्मीद रखें और आगे बढ़ते रहें। एक दिन, आपको भी प्यार की बारिश का अनुभव होगा और आपका दिल फिर से हरा-भरा हो जाएगा।

आज का राशिफल

मेष -आज आपके लिए दिन पॉजिटिव रहने वाला है। आज आपका पारिवारिक मामला किसी बड़े बुजुर्ग की सहायता से सुलझ जाएगा, परिवार में फिर से खुशियां आएंगी।

मिथुन राशि- आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला है। आज ऑफिस में आप किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करेंगे आपको सफलता मिलेगी। आज कुछ खास लोगों से मुलाकात का अवसर मिलेगा ।

सिंह राशि- आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। बिजनेस के लिए दिन अच्छा है। आज रियल स्टेट में फायदेमंद डील फाइनल हो सकती है। ऑफिस के कार्यभार की अधिकता की वजह से ओवर टाइम करना पड़ सकता है।

तुला राशि- आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज कारोबार में अपनी मेहनत से आगे बढ़ेंगे। आज बच्चों के साथ समय बिताएंगे उनके मन की बातों को समझेंगे।

धनु राशि- आज आपका दिन खुशहाल रहने वाला है। इलेक्ट्रॉनिक्स के कारोबारियों को लाभ के योग बन रहे हैं। वैवाहिक जीवन में अपनापन बढेगा। आज शाम का डिनर बाहर करेंगे। बच्चों के साथ आपसी लगाव बढेगा।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। दांपत्य जीवन में आज नई-नई खुशियां आएंगी। छात्रों के लिए आज का दिन सफलता दिलाने वाला है। अचानक धन लाभ होने से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी।

वृष राशि- आज व्यवसाय में बड़ा मुनाफा होने जैसी स्थिति बनी हुई है। आज निर्णय लेने से पहले अपने परिवारवालों की सलाह लेना न भूले।

कर्क राशि- आज आपको अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे।

कन्या राशि- आज परिवार में विशेष लोगों का आवागमन हो सकता है। अगर आज आप किसी प्रकार का निर्णय लेना चाहते हैं, तो किसी बड़े की सलाह जरूर ले लें।

वृश्चिक राशि- आज आपके दोस्त आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं, जिसे आप निराश नहीं करेंगे। नये प्रॉजेक्ट को पूरा करने में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि-आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। खान-पान में लापरवाही स्वास्थ्य के लिए हानिकारक साबित हो सकती है।

मीन राशि -आज दोस्त आपका मनोबल बढ़ाएंगे। आज आपके स्वास्थ्य में बेहतरी बनी रहेगी। आज सोची हुई कार्य योजनाओं को पूर्ण करने में सफलता मिलेगी।

धूमधाम से मनाया गया एएमएम पब्लिक स्कूल का वार्षिकोत्सव "उड़ान 3.0"

जनता की खोज

मोदीनगर । प्रत्येक वर्ष की भांति एएमएम पब्लिक स्कूल द्वारा वार्षिक समारोह "उड़ान 3.0" का भव्य आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव में स्कूल के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। इस दौरान स्कूल के मेधावी विद्यार्थियों के अलावा स्कूल के पुरातन विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया और स्कूल की उपलब्धियां का उल्लेख किया गया। कादराबाद हाइवे के निकट स्थित कृष्णा फॉर्म्स एंड रिसॉर्ट के विशाल सभागार में आयोजित "उड़ान 3.0" वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय भारोत्तोलन कोच द्रोणाचार्य अवार्डी विजय शर्मा, सांसद डॉ राजकुमार सांगवान, विधायक डॉ मंजू शिवाच, पालिकाध्यक्ष विनोद वैशाली?, आईसीएआई की सेंट्रल काउंसिल मेंबर सीए अनुज गोयल व स्कूल के चेयरमैन प्रभात मित्तल द्वारा संयुक्त रूप से मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया। मुख्य अतिथि विजय शर्मा ने सभी विद्यार्थियों से शिक्षा के साथ ही खेलों में प्रतिभाग करने की बात कही। सांसद डॉ राजकुमार सांगवान, विधायक डॉ मंजू शिवाच व पालिकाध्यक्ष विनोद वैशाली? ने संयुक्त रूप से भव्य आयोजन की सराहना की। सीए अनुज गोयल ने सभी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षित होने के लिए प्रेरित किया। स्कूल के चेयरमैन प्रभात मित्तल ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता, कला, प्रतिभा व खेल कौशल के स्तर को बढ़ाना है। इस दौरान स्कूल के विद्यार्थियों ने भारत वर्ष के अनेक प्रांतो के परंपरागत लोक नृत्य को प्रस्तुत कर समां बांध दिया। समारोह को सफल बनाने में स्कूल प्रधानाचार्या रीता रस्तोगी सहित तमाम शिक्षक शिक्षिकाओं का सराहनीय सहयोग रहा। इस अवसर पर पूर्व विधायक सुदेश शर्मा, सभासद ललित मित्तल, योगाचार्य करतार सिंह भाटी, राजीव जोशी, अजय मित्तल, भाजपा नेता डॉ पवन सिंघल, अनिल सैन, वरुण सोनी, सुरेंद्र शर्मा, पवन तिवारी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे श।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा जेवर की एयरपोर्ट इमरजेंसी प्लानिंग कमेटी की पहली बैठक संपन्न

जनता की खोज
शफी मौहम्मद सैफी

गौतमबुद्धनगर। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर आपातकालीन स्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में एयरपोर्ट इमरजेंसी प्लानिंग कमेटी की पहली बैठक संपन्न हुई। आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के सीईओ क्रिस्टोफ श्रेलमैन, मुख्य चिकित्सा

जिलाधिकारी ने एयरपोर्ट पर आपातकालीन स्थितियों में त्वरित और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित कराने के संबंधित अधिकारियों को दिए निर्देश

अधिकारी नरेंद्र कुमार, चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर किरन जैन, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह एवं एयरपोर्ट इमरजेंसी प्लानिंग कमेटी के वरिष्ठ अधिकारी गण उपस्थित रहे।जिलाधिकारी द्वारा आयोजित बैठक में एयरपोर्ट की आपातकालीन तैयारियों और आपदा प्रबंधन के महत्वपूर्ण पहलुओं पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा करते हुए एयरपोर्ट स्वास्थ्य संगठन एपीएचओ, डीडीएम, एनडीआरएफ, पीडब्ल्यूडी, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाएं, पुलिस विभाग, सीआईएफ, एएआई, सिंचाई विभाग और अन्य विभिन्न आपातकालीन एजेंसियों के प्रतिनिधियों से नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा पर संभावित आपात स्थितियों के समन्वित प्रतिक्रिया तंत्र की समीक्षा की।
जिलाधिकारी ने एक संरचित और कुशल प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए हवाई अड्डा की आपातकालीन और आपदा प्रबंधन योजनाएं, स्थानीय अस्पतालों और एंबुलेंस सेवा प्रदाताओं के साथ समन्वय सहित आपातकालीन चिकित्सा

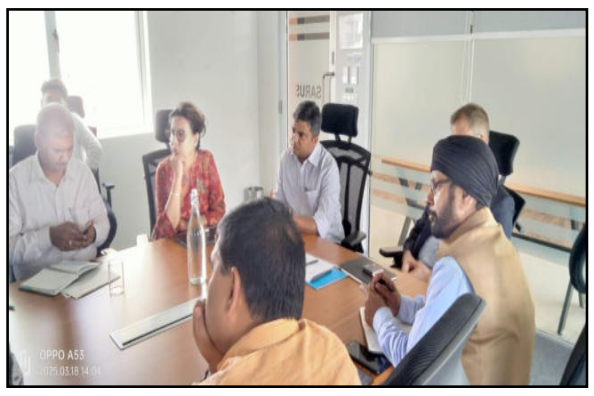

प्रतिक्रिया की तैयारी, प्रभावी अग्निशमन और बचाव कार्यों के लिए अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं के साथ सहयोग, आपातकालीन स्थितियों में सुरक्षा प्रतिक्रियाओं का प्रबंध करने के लिए पुलिस विभाग का समन्वय, समुदाय संचालित समर्थन के लिए नागरिक सुरक्षा और स्वयंसेवी संगठनों के साथ जुड़ाव, स्वास्थ्य संकटों से निपटने के लिए एपीएचओ/डीटीएचएस द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकालीन आकस्मिक योजना का निर्माण, जमीनी स्तर पर तैयारियों को मजबूत करने के लिए हितधारक प्रशिक्षण कार्यक्रम और हवाई अड्डे के परिचित अभ्यास, खतरनाक घटनाओं से होने वाले जोखिमों को कम करने के लिए सीबीआरएन आपातकालीन प्रबंधन रणनीतियां आदि की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये।उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा परिचालन तत्परता की ओर बढ़ रहा है, ऐसे सहयोगी पहल एक सुरक्षित और अच्छी तरह से तैयार विमानन वातावरण सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

जाट समाज के प्रमुख लोगों ने नगर आयुक्त से की मुलाकात, चौधरी चरण सिंह पुस्तकालय के सौंदर्यीकरण की मांग

जनता की खोज

गाजियाबाद। जाट समाज के प्रमुख सदस्यों ने आज नगर निगम गाजियाबाद के नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक से मुलाकात की और मेरठ रोड तिराहे पर स्थित चौधरी चरण सिंह पुस्तकालय के सौंदर्यीकरण और शीघ्र मरम्मत कार्य पूरा कराने की मांग की। समाज के लोगों ने कहा कि चौधरी चरण सिंह केवल एक जाति के नहीं, बल्कि पूरे देश के नेता थे, जिन्हें किसानों का मसीहा कहा जाता है। चौधरी साहब का जन्म अविभाजित जनपद गाजियाबाद में हुआ था और यह क्षेत्र उनकी कर्मभूमि भी रहा है। एक गरीब किसान परिवार से निकलकर उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री, देश के गृहमंत्री और फिर भारत के प्रधानमंत्री जैसे शीर्ष पदों को सुशोभित किया। उनके ऐतिहासिक योगदान को देखते हुए भारत सरकार ने उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया है।जाट समाज के प्रतिनिधियों ने नगर आयुक्त को अवगत कराया कि रैपिड रेल निर्माण कार्य के दौरान पुस्तकालय क्षतिग्रस्त हो गया

था, जिससे इसकी हालत किसी गोदाम जैसी हो गई है। कई बार अनुरोध के बावजूद इसके मरम्मत कार्य की शुरूआत नहीं हो सकी है, जिससे चौधरी साहब के समर्थकों में गहरी नाराजगी है।इस पर नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक ने मामले को संज्ञान में लेते हुए शीघ्र ही पुस्तकालय के सौंदर्यीकरण और मरम्मत कार्य को पूरा कराने का आश्वासन दिया।इस अवसर पर समाज के कई प्रमुख लोग उपस्थित रहे, जिनमें चौधरी तेजपाल सिंह, चेयरमैन अमरजीत सिंह बिड्डी, विजय चौधरी, प्रताप चौधरी, अरुण चौधरी भुल्लन, आनंद चौधरी, सुनील चौधरी (पूर्व पार्षद), सुभाष चौधरी (पार्षद), नवीन चौधरी, भूपेंद्र बॉबी, अजय प्रमुख, मनोज चौधरी, अरविंद बालियान, अरविंद तेवतिया, रॉकी चौधरी, धर्मेंद्र चौधरी, देवेंद्र मलिक, सनी चौधरी, विक्रांत चौधरी, संदीप चौधरी, रविंद्र चौधरी, नरेंद्र सिंह वीरवाल, सागर चौधरी, मोहित मलिक, सुरेंद्र चौधरी, विनीश चौधरी, सोनवीर सिंह, मनोज डागर, विशाल चौधरी, डॉ. राकेश सिरोही, सौरभ डागर, अरुण तेवतिया, सुनील चौधरी (जटवाड़ा) आदि शामिल थे।

जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा का किया जोरदार स्वागत

जनता की खोज

जेवर। बीजेपी से जिलाध्यक्ष बने अभिषेक शर्मा का सोमवार की शाम कस्बे से बीजेपी कार्यकर्ताओ ने पहुँच फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। बीजेपी से मंडल मंत्री व श्री सनातन ब्राह्मण महासंघ फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष प्रिंस भारद्वाज ने बताया कि सोमवार को बीजेपी कार्यकताओं को लेकर वह बीजेपी नेता अन्नू पंडित के कार्यालय पर पहुंचे, जहां श्री धाम वृन्दावन से आए हुए महामंडलेश्वर डॉ बृजभूषण महाराज से उनकी मुलाकात हुई और वह उनके साथ बीजेपी से जिलाध्यक्ष बने अभिषेक शर्मा के इटा वन स्थित आवास पर पहुंचे और उनका फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। वहीं जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने भी महामंडलेश्वर डॉ बृजभूषण महाराज का पटका पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने कहा कि पार्टी की सभी जन हितकारी योजनाओं को जन जन तक पहुंचाए। इस मौके पर कपिल शर्मा, कार्ष्णि आचार्य नित्यानंद नीमावत, राकेश पाण्डेय, पुरुषोत्तम मिश्रा, अविनाश चौहान, एस एस त्रिपाठी, कुशल चौबे, रामकुमार मिश्रा, कपिल शर्मा, रामबीर भाटी प्रधान, भोपाल बंसल आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

प्रदूषण नियंत्रण होने तक नव निर्माण पर लगे रोक : कर्नल टीपी त्यागी

जनता की खोज

गाजियाबाद। कोंफड्रेशन ऑफ आरडब्लूए उत्तर प्रदेश (कोरवा यूपी) के प्रतिनिधि मंडल ने मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित एक ज्ञापन अतिरिक्त जिलाधिकारी रणविजय सिंह को सौंपा है। ज्ञापन में महानगर में प्रदूषण नियंत्रण होने तक सभी प्रकार के निर्माण कार्य पूरी तरह बंद किये जाने की मांग की है। इसके अलावा कोरवा ने विकास प्राधिकरण के कार्यकाल भी समाप्त किए जाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि वायु प्रदूषण के कारण बच्चों के फेफड़ो की क्षमता घटती जा रही है। जल प्रदूषण या ध्वनि प्रदूषण का इलाज है परन्तु वायु प्रदूषण के कारण बच्चों के फेफड़ों की क्षमता एक बार कम हुई तो फिर उसे दुनिया के किसी उपचार से बढ़ाया नहीं जा सकता। कर्नल त्यागी ने कहा कि आने वाले समय मे ये बच्चे बड़े होकर गम्भीर समस्याओं से झूझेंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे निर्माण का क्या फायदा जो आने वाली पीढ़ी को नुकसान पहुंचाये।

विकास प्राधिकरण का कार्यकाल समाप्त किये जाने की मांग

इसके अलावा उन्होंने कहा कि संविधान के 74वें संशोधन के अंतर्गत विकास प्राधिकरण इसलिए स्थापित किए गए थे ताकि गरीब लोगों को उचित तरीके से आवास उपलब्ध कराये जा सके। लेकिन यह करने के बजाय विकास प्राधिकरण बिल्डरों को जमीन उपलब्ध कराने में लग गए। नगरीय विकास, बढ़ती हुई शहरी आबादी को आवास प्रदान करने के लिये आवश्यक है, परन्तु पहले से नगर के निवासियों के स्वास्थ्य को संकट में डाल कर और आने वाली पीढ़ी को भी प्रदूषण का ग्रास बनाकर बिलकुल नहीं। अभी तक बढ़ती हुयी शहरी आबादी ने हवा और पानी की शुद्धता और उपलब्धता को भयानक रूप से प्रभावित किया है। अतः नये बहुमंजली भवनों के निर्माण पर पूर्ण रोक लगाने कि आवश्यकता है।
वर्तमान में जो बहुमंजिला सोसायटियां हैं उन्हें अधिकतर

कोरवा यूपी ने मुख्यमंत्री के नाम सम्बोधित ज्ञापन सौंपा

पानी के लिए भू जल दोहन करना पड़ता है तो नई इमारतों का निर्माण तब तक न हो जब तक पानी की व्यवस्था ना की जा सके। कर्नल त्यागी ने कहा कि जानकारी मिली है की दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर डासना से मेरठ के बीच एक्सप्रेसवे के किनारे बसे 29 गांवों को गाजियाबाद विकास प्राधिकरण विकास क्षेत्र में जोड़ने की योजना बना रहा है। एक्सप्रेसवे के किनारे औद्योगिक क्षेत्र का विकास किया जाएगा । प्राधिकरण के क्षेत्र विस्तारीकरण के तहत अभी तक जिले के 168 गांव शामिल थे। जो अब 187 पहुंच जाएगी। जिससे शहरी प्रदूषण गांवो तक पहुंचा दिया जाएगा। यह मानव मूल्यो के विरुद्ध है। इस अवसर पर डॉ आर के आर्या, कैलाश चंद्र शर्मा, गौरव बंसल, नेम पाल चौधरी, नीरज त्यागी, सुधीर शर्मा आदि शामिल रहे। प्रतिनिधि मण्डल का नेत्रत्व कोरवा-यूपी के मुख्य संरक्षक कर्नल तेजेन्द्र पाल त्यागी ने किया।

बिटोरों में आग लगने से लाखों का हुआ नुकसान

जनता की खोज

जेवर। जेवर के गांव कानीगढ़ी मे मंगलवार को खेत मे बने बोगी बिटोरों मे आग लगने से लाखों का नुकसान हो गया। सूचना पर फायरब्रिगेड की गाडी पहुंची और आग पर काबू पाया। गांव कानीगढ़ी मे मंगलवार को खेत मे बने बोगी बिटोरों मे अचानक आग लग गई। आग को लगता देख गांव के लोगों ने उसे बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग बढ़ने लगी। जिससे लोगों मे घबराहट बढ़ने लगी और लोगों ने इसकी सूचना फायरब्रिगेड को दी, सूचना पर फायरब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया, लेकिन तब आग से ग्यालाल, कर्मवीर व पवन के बिटोरों और वैधराज की बोगी जलकर राख हो गई, जिससे पीड़ितों का लाखों का नुकसान हो गया। हालांकि आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

यमुना एक्सप्रेस व पर अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार घायल

जनता की खोज

जेवर। यमुना एक्सप्रेस व पर जेवर इंटर चेंज के पास मंगलवार को नॉएडा साइड पर एक बाइक सवार मे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे मे बाइक सवार घायल हो गया। घायल का कस्बे के एक निजी अस्पताल मे इलाज चल रहा है।
हाथरस के गांव कशी नगला निवासी राजकुमार (40) किसी काम से मंगलवार की सुबह बाइक से नॉएडा जा रहे थे, जब वह यमुना एक्सप्रेस व के जेवर इंटर चेंज के पास पहुंचे, तभी उनकी बाइक मे किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे मे बाइक सवार घायल हो गया, जिसको एक्सप्रेस व के सुरक्षा कर्मियों ने कस्बे के एक निजी अस्पताल मे भर्ती कराया, जहां उसका उपचार जारी है। वहीं वाहन चालक मौका देख फरार हो गया।

डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में निर्धारित समय में ग्राम फलेदा का सर्वे कार्य हुआ पूर्ण

जनता की खोज

गौतमबुद्धनगर। जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मनीष कुमार वर्मा ने जनहित जूनियर हाईस्कूल फलैदा जेवर पर कैम्प लगाकर सर्वे पर्ची बटवाई। सर्वे पर्ची बंटने से क्षेत्र के

- **जिलाधिकारी ने कैंप लगवा कर किसानों को वितरित कराई सर्वे पर्ची**
- **शीघ्र बन जाएंगी ग्राम फलेदा की शुद्ध खतौनी : डीएम**

किसान काफी खुश नजर आए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) भैरपाल सिंह ने बताया कि जहां गॉव मे अभिलेख, नक्शा व मौके पर पचास प्रतिशत से अधिक त्रुटि हो जाती है तो शासन के आदेश से गांव में अभिलेख दुरूस्त करने हेतु सर्वेक्षण कार्य किया जाता है। ज़िलाधिकारी ने सर्वे पूरे करने के लिये मार्च 2025 तक का समय निर्धारित किया था, जिसे समयसीमा में पूर्ण कर लिया गया है।उन्होंने बताया कि जनपद में 32 ग्राम ऐसे है जहॉ अभिलेख सुधार हेतु सर्वेक्षण कार्य चल रहा है। ग्राम फलैदा की सर्वे पर्ची बांट दी गई है। पर्ची प्राप्त होने के बाद 21

दिन का समय होता है, जिसमें आपत्ति दर्ज कराई जा सकती है, जिसे सहायक अभिलेख अधिकारी द्वारा निस्तारित किया जाएगा।इस अवसर पर ग्राम वासियों ने ज़िलाधिकारी एवं अपर ज़िलाधिकारी न्यायिक का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। भारतीय सूचना सेवा के अधिकारी हिमांशु सिंह ने बताया कि कृषकों की मार्मिक पीड़ा समझकर जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर ने अभिलेख दुरूस्त करने का जो कार्य कराया है वह किसानों के लिए बेहद हितकारी सिद्ध होगा और सालों से चली आ रही समस्या का निदान करेगा । किसान नेता ओमवीर ने इस अवसर को ग्राम का सौभाग्य बताया कि अब ग्राम में शांति बनी रहेगी तथा खुशहाली आएगी। रेशपाल सिंह ने जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) भैरपाल सिंह एवं सर्वे टीम का आभार जताया। जिलाधिकारी द्वारा बिजेन्द्र सिंह, देवी, महेन्द्र, रवि आदि को सर्वे पर्ची वितरण की गई।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) भैर पाल सिंह, उप जिलाधिकारी जेवर अभय कुमार सिंह, एसीपी सार्थक सेंगर एवं तहसीलदार जेवर आदि उपस्थित रहे।

भूमाफियाओं ने किया प्राधिकरण की जमीन पर अवैध कब्जा: भाटी

जनता की खोज
शफी मौहम्मद सैफी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के अधिसूचित ग्राम चिटहेरा में प्राधिकरण द्वारा खरीदी गई जमीन पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध तरीके से प्लाटिंग का काम किया जा रहा है इसको लेकर श्याम सिंह भाटी एडवोकेट के द्वारा एक शिकायती पत्र प्राधिकरण कार्यालय में दिया गया है। इस मामले को लेकर श्याम सिंह भाटी एडवोकेट ने बताया कि चिटहेरा गांव के खसरा नंबर169,170,171,172 को ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा पूर्व में किसानों से खरीदी गई थी और किसानों को मुआवजा भी दे दिया गया लेकिन प्राधिकरण के कुछ कर्मचारियों की मिली भगत से इस जमीन पर भूमाफिया द्वारा अवैध तरीके से कब्जा करके इंडस्ट्री के प्लॉट बेचे जा रहे हैं। इस मामले को लेकर ग्रामीणों द्वारा कई बार प्राधिकरण में लिखित रूप से शिकायत भी की गई। लेकिन आज तक प्राधिकरण द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई जिससे इन भूमाफियाओं के हौसले और भी बढ़ गए और इस जमीन पर पक्का निर्माण कार्य करने लगे। ओर सारी जमीन पर कब्जा कर लिया । लेकिन प्राधिकरण के कर्मचारी आज भी गहरी नींद में सोए हुए हैं।

भाजपा महिला मोर्चा गौतमबुद्धनगर के पदाधिकारियों ने भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा का किया स्वागत

जनता की खोज
शफी मौहम्मद सैफी

ग्रेटर नोएडा। भाजपा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा को जनपद गौतमबुद्धनगर भाजपा की महिला मोर्चा की टीम व आर्य समाज मंदिर सूरजपुर की पदाधिकारी कार्यकारिणी टीम ने उनके निवास सेक्टर ईटा में पहुँच कर उनको शुभकामनाएँ प्रेषित की बुक्के दे कर स्वागत किया जिनमे क्षेत्र से बड़ी संख्या में मातों बहनों ने उन्हें बधाई शुभकामनाएं दी इस अवसर नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा ने कहा कि में महिला मोर्चा की बहनों व आर्य समाज मंदिर सूरजपुर पदाधिकारियों की शुभकामनाओं का आभार व्यक्त करता हूँ और कहा कि पार्टी की रीति नीति और सरकार की उपलब्धियों को सभी वर्गों के साथ मिलकर जन जन तक पहुँचाने के कार्य में लगकर उत्तर प्रदेश में तीसरी बार कमल खिला कर 2027 में पुनः भाजपा सरकार आये उसके लिये मिलकर काम करेंगे इस अवसर पर मुख्यरूप से पंडित भूदेव शर्मा धर्मवीर आर्य महिला मोर्चा अध्यक्ष रजनी तोमर मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य सत्यपाल शर्मा जयदेव शर्मा देवदत्त शर्मा राजबाला चौधरी संगीता रावल राजकुमारी शर्मा शशि कौशिक रीना सिंह अंजना त्यागी अनीता शिसोदिया प्रीति बघेल बॉबी देवी अर्पणा सिंह आदि महिला मोर्चा की बहनों के साथ क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य लोगों ने उनके निवास पर पहुँच कर शुभकामनाएं प्रेषित की ।

ग्रेटर नोएडा और अमेरिका के लोउडन काउंटी को सिस्टर सिटी बनाने पर फिर हुई बात

जनता की खोज
शफी मौहम्मद सैफी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा और अमेरिका के लोउडन काउंटी को सिस्टर सिटी के रूप में विकसित करने के लिए प्रयास तेज हो गए हैं। मंगलवार को लोउडन काउंटी सिटी के प्रतिनिधि ग्रेटर नोएडा पहुंचे। दोनों तरफ से इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रस्तुतिकरण दिए गए और सूचनाओं का आदान-प्रदान किया गया। लोउडन काउंटी सिटी की प्रतिनिधियों ने प्राधिकरण के अधिकारियों को लोउडन काउंटी सिटी आने के लिए आमंत्रित भी किया। दरअसल मंगलवार को अमेरिका के लोउडन काउंटी सिटी, वर्जीनिया के इकोनॉमिक डेवलपमेंट विभाग के कार्यकारी निदेशक बडी राइजर अपनी टीम के साथ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पहुंचे। सीईओ एनजी रवि कुमार, एसीईओ सौम्य श्रीवास्तव, एसीईओ प्रेरणा सिंह और ओएसडी अभिषेक पाठक व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की ओर से प्रस्तुतिकरण में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर, रोड इंफ्रास्ट्रक्चर, मेट्रो कनेक्टिविटी, एक्सप्रेसवे, ग्रीनरी, बड़ी कंपनियों, शिक्षण संस्थानों, डाटा सेंटर हब, आईआईटीजीएनएल, मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक हब व मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब आदि सभी विकास कार्यों की जानकारी दी गई। प्राधिकरण ने वेस्ट कलेक्शन सिस्टम से भी प्रतिनिधिमंडल को अवगत कराया। सीईओ एनजी रवि कुमार ने कहा कि ग्रेटर नोएडा में रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि युवाओं को आधुनिक संस्कृति व तकनीक से अवगत कराना बहुत आवश्यक है। इसी तरह लोउडन काउंटी सिटी के प्रतिनिधियों की तरफ से भी प्रस्तुतीकरण में वहां की इंफ्रास्ट्रक्चर के बारे में जानकारी दी गई। बता दे कि दोनों शहरों कोशिश स्टार सिटी के रूप में डेवलप करने के लिए एमओयू पहले ही साइन किए जा चुके हैं। इसके माध्यम से दोनों शहरों के बीच शिक्षा, व्यापार, संस्कृति, बायोटेक, कृषि, फार्मास्यूटिकल, सूचना एवं तकनीक जैसे क्षेत्रों में प्रत्यक्ष आदान-प्रदान में सहूलियत होगी। एक-दूसरे के प्रतिनिधि दोनों शहरों में जाकर अध्ययन कर सकेंगे।

- **सीईओ के अध्यक्षता में हुई बैठक, लोउडन काउंटी सिटी के प्रतिनिधि हुए शामिल**
- **बैठक में दोनों शहरों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर प्रस्तुतीकरण दिया गया**
- **सिस्टर सिटी बनाने के लिए एमओयू पहले ही हो चुका है साइन**

रोजगार विद अंकित और टीम ग्राम पाठशाला ने भेंट की दिल्ली पुलिस के सभी पुस्तकालयों के लिए निःशुल्क पुस्तकें

जनता की खोज
शफी मौहम्मद सैफी

ग्रेटर नोएडा। दिल्ली पुलिस के थानों और प्रशिक्षण केंद्रों में कुल 43 निःशुल्क पुस्तकालय संचालित हैं। दिल्ली पुलिस हेडक्वार्टर में आयोजित एक कार्यक्रम में रोजगार विद अंकित और टीम ग्राम पाठशाला ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल पुलिस कमिश्नर छाया शर्मा आईपीएस को इन 43 पुस्तकालयों के लिए निःशुल्क पुस्तकें सौंपी।अब दिल्ली पुलिस द्वारा संचालित इन पुस्तकालयों में बच्चे रोजगार विद अंकित की बेशकीमती पुस्तकें पढ़कर अपने सपने पूरे कर पाएंगे। इस मौके पर छाया शर्मा ने टीम ग्राम पाठशाला को आश्वस्त किया कि दिल्ली पुलिस और थानों में भी इसी तरह के निःशुल्क पुस्तकालय बनाये जाएंगे।

नगर पंचायत में कर्मचारी की सड़क दुर्घटना में हुई मौत

जनता की खोज
शफी मौहम्मद सैफी

ग्रेटर नोएडा। बिलासपुर नगर पंचायत में कर्मचारी सुशील कुमार उर्फ सोनू नगर पंचायत बिलासपुर में आउटसोर्स इलेक्ट्रीशियन के पद पर तैनात थे। 14 मार्च 2025 को चचुला गांव के पास बंबे पर उसका अज्ञात वाहन से एक्सीडेंट हो गया था दुश्मन के गंभीर चोट लगी थी और उन्हें जिम्स हॉस्पिटल ग्रेटर नोएडा ले जाया गया था जहां से उन्हें ड्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया था। सोमवार को उनकी मृत्यु ट्रामा सेंटर दिल्ली में हो गई सोनू जो मूल रूप से परसौल गांव के रहने वाले थे और व्यवहार कुशल इंसान थे उनकी मौत का समाचार सुनकर पूरे क्षेत्र में शोक छा गया।

एमएसएमई मंत्रालय के सहयोग से लॉयड इंजीनियरिंग कॉलेज में दो दिवसीय वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम और प्रदर्शनी का आयोजन

जनता की खोज
शफी मौहम्मद सैफी

ग्रेटर नोएडा। भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्रालय के अधीनस्थ कार्यालय एमएसएमई विकास कार्यालय, ओखला, नई दिल्ली द्वारा इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (IOCL) और द इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन फाउंड्रीमैन (नॉर्दर्न रीजन) के सहयोग से 19 और 20 मार्च 2025 को ग्रेटर नोएडा के लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी परिसर में दो दिवसीय वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम और प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है।इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. रजनीश, आईएएस, अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (एमएसएमई) द्वारा 19 मार्च को प्रातः 11 बजे दीप प्रज्ज्वलन कर किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न सरकारी एवं कॉर्पोरेट संगठनों के वरिष्ठ अधिकारी, औद्योगिक विशेषज्ञ और एमएसएमई क्षेत्र के दिग्गज मौजूद रहेंगे। लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो. राजीव अग्रवाल ने इस आयोजन को एमएसएमई सेक्टर के लिए एक अहम कदम बताया और कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने और एमएसएमई क्षेत्र के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम के मुख्य उद्देश्यः माइक्रो और स्माल एंटरप्राइजेज को सशक्त बनाना झ केंद्रीय एवं राज्य पीएसयू को एक प्लेटफार्म पर लाकर उद्यमियों को नए बिजनेस अवसर प्रदान करना।सरकारी उपक्रमों और स्टार्टअप्स के बीच नेटवर्किंग झ टेक्निकल सेशन्स और प्रदर्शनी के माध्यम से एमएसएमई क्षेत्र की संभावनाओं को बढ़ावा देना। वेंडर बनने का सुनहरा अवसर - इच्छुक उद्यमी सीपीएसयू के साथ रजिस्ट्रेशन कर अपने उत्पादों और सेवाओं की आपूर्ति कर सकते हैं। एमएसएमई मंत्रालय की योजनाओं की जानकारी तकनीकी सत्रों में मंत्रालय की विभिन्न स्कीमों और प्रोग्रामों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इस कार्यक्रम में इंडियन इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, इंडस्ट्रियल इंटरप्रेन्योर एसोसिएशन, लघु उद्योग भारती समेत कई औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शिरकत करेंगे। एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए यह कार्यक्रम एक शानदार अवसर होगा, जहां वे अपने बिजनेस को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं!

एनएसएस शिविर के दूसरे दिन स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संचारी रोग टीवी मलेरिया डेंगू कोरोना विषय पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

जनता की खोज
शफी मौहम्मद सैफी

ग्रेटर नोएडा। श्री द्रोणाचार्य (पी0जी0) कॉलेज,दनकौर,गौतम बुद्ध नगर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय, डायट, दनकौर सचिव रजनीकांत अग्रवाल और प्राचार्य डॉक्टर गिरीश कुमार वत्स के देखरेख में चल रहे सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन का शुभारंभ डॉ दीपक कौशिक टीवी सुपरवाइजर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दनकौर एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ देवानंद सिंह के द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष माल्यार्पण एवं परज्वलन करके शुभारंभ किया! द्वितीय सत्र में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संचारी रोग टीवी मलेरिया डेंगू कोरोना विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें अतिथि डॉ दीपक कौशिक ने विस्तार से व्याख्यान दिया इसी सत्र में महाविद्यालय से पधारे अमित नागर जी ने भी अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया! इसी सत्र में दनकौर कस्बे में संचारी रोग टीवी मलेरिया आदि विषय पर जन जागरूकता रैली निकाल कर कस्बे वासियों को जागरूक किया और रैली के दौरान नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से स्वस्थ रहने एवं रोगों से बचने का संदेश दिया! नुक्कड़ नाटकों ने कस्बे वासियों का मन मोह लिया तृतीय सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान देशभक्ति गीत एवं कविता आदि की प्रस्तुति स्वयंसेवियों द्वारा की गई!

"यमुना प्राधिकरण की अनूठी पहल, अधिसूचित ग्रामों के किसानों के बच्चों और उन ग्रामों के भूमिहीन किसान और उन पर आश्रित बच्चों को रोजगार दिलवाए जाने के लिए हुआ रोजगार पोर्टल का हुआ आरंभ"

जनता की खोज
शफी मौहम्मद सैफी

ग्रेटर नोएडा। जैसा की विदित ही है कि दिनांक 20 दिसंबर 2024 को नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के प्रभावित ग्रामों के किसान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में मिले थे, जहां माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यमुना प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुण वीर सिंह व अन्य उपस्थित सभी अधिकारियों को प्रभावित किसानों के बच्चों को रोजगार उपलब्ध कराए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि "प्राधिकरण क्षेत्र में लगने वाली औद्योगिक इकाइयों में स्थानीय बच्चों को रोजगार दिए जाने की व्यवस्था की जाए।"
जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने विधानसभा के बजट सत्र में भी स्थानीय नौजवानों को रोजगार का मुद्दा सदन में उठाया था।
उसी क्रम में यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के युवाओं का डाटा बेस तैयार करने के लिए जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह की पहल पर दिनांक 18 मार्च 2025 को यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सभागार कक्ष में रोजगार पोर्टल लॉन्च किया गया। इस पोर्टल का मकसद युवाओं को रोजगार के साधन मुहैया कराना है। इस पोर्टल का यूआरएल https://hrc. medhajnews. in/jobseeker/ index.php है। इस पोर्टल का मकसद कुशल और अकुशल युवाओं का डाटा बेस बनाना और योग्यता के आधार पर उन्हें रोजगार उपलब्ध कराना।
इस मौके पर जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि "जिन किसानों ने इस प्रदेश और इस जनपद के विकास की गति को आगे बढ़ाने के लिए अपनी जमीनें दी हैं, उन किसानों के बच्चों को रोजगार मुहैया करने की दिशा में, यह पहल आने वाले समय में मील का पत्थर साबित होगी।
इस पोर्टल के माध्यम से स्थानीय किसानों के बच्चों को कौशल और दक्षता के आधार पर चयनित कर, शीघ्र उन्हें रोजगार उपलब्ध कराया जाएगा। हम इस क्षेत्र को विकसित और जेवर को इस प्रदेश की आर्थिक राजधानी बनाने का काम ही नहीं कर रहे हैं, बल्कि हम जनता की जिंदगी बनाने की भी आधारशिला रख रहे हैं, जिससे नौजवानों को रोजगार मिल सके, उसके लिए हमेशा प्रयास जारी रहेंगे।"इस मौके पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुण वीर सिंह ने कहा कि "जिन किसानों की जमीनों पर आज उद्योग धंधे स्थापित हो रहे हैं, इसलिए हमारा भी कर्तव्य बनता है कि हम उन किसानों के बच्चों को जीवन यापन हेतु रोजगार उपलब्ध कराएं।
इस रोजगार पोर्टल को हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में भर सकते हैं साथ ही ऑनलाइन और ऑफलाइन भी फॉर्म जमा किए जाने की व्यवस्था भी रोजगार पोर्टल में की गई है।रोजगार पोर्टल के शुभारंभ के मौके पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी अरुण वीर सिंह, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी कपिल सिंह व नगेन्द्र प्रताप सिंह, विशेष कार्याधिकारी शैलेंद्र सिंह, शैलेंद्र भाटिया, जनरल मैनेजर राजेंद्र भाटी, डीजीएम वीरेंद्र सिंह आदि अनेकों अधिकारी भी मौजूद रहे।

जगत के सब व्यवहार करते हुये भी चिंता मुक्त जीवन जीना चाहते हैं तो क्षण प्रतिक्षण भगवान के चरणों का चिंतन करें: आचार्य पवन नंदन

जनता की खोज
शफी मौहम्मद सैफी

ग्रेटर नोएडा। डेल्टा वन के कम्यूनिटी सेंटर में आयोजित भागवत कथा के दूसरे दिन महाभारत में भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन का प्रसंग सुनाते हुये आचार्य पवन नंदन ने यह सीख दी।कथा के आरम्भ में मुख्य यजमान नरेश गुप्ता, दैनिक यजमान ओमप्रकाश अग्रवाल, मनोज सिंहल, अनुज सिंहल, विक्की वाधवा ने हरिद्वार से पधारे भागवत कथा व्यास पवन नंदन का स्वागत कर आशीर्वाद प्राप्त किया।ग्रेटर नोएडा में दिनांक 17 से 23 मार्च तक प्राचीन भारत की ज्ञान सम्पदा के संरक्षण, संवर्धन और निःशुल्क आयुर्वैदिक चिकित्सा को समर्पित भागवत कथा का आयोजन डेल्टा वन, ग्रेटर नोएडा के कम्यूनिटी सेंटर में किया जा रहा है।
मंगलवार को कथा में आयोजन समिति के महामंत्री प्रमोद चौहान, कलश यात्रा की मुख्य संयोजिका सरोज तोमर, संजय सूदन, कुलदीप शर्मा, एवं आयोजन समिति के कोषाध्यक्ष कपिल कृष्णा, संयुक्त महामंत्री नवीन जिंदल, शरद त्यागी , समिति के मीडिया प्रभारी मुकुल गोयल, सतीश गुप्ता, भारतीय धरोहर के संगठन मंत्री प्रवीण शर्मा एवं महामंत्री विजय शंकर तिवारी (राष्ट्रीय प्रवक्ता, विश्व हिन्दू परिषद) भी उपस्थित रहे। ज्ञात हो कि यह आयोजन भारतीय धरोहर विचार मण्डल, ग्रेटर नोएडा के द्वारा किया जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक, रऊफ अहमद सिद्दकी द्वारा सागर प्रिंट ओपेक बी 46 सेक्टर 5 नोएडा गौतबुद्धनगर से छपवाकर कार्यालय वी-19, सेक्टर 5 नोएडा गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित किया गया। सभी विवाद का निपटारा न्यायलय गौतमबुद्धनगर से होगा। प्रधान संपादकः इदरीस अहमद (उप सम्पादक राजवीर सिंह) R.N.I No.UPHIN /2012/46072 Email Id :Jantakikhoj2021@gmail.com. web : wwwjantakikhoj.com.

वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की खुदरा महंगाई दर चार प्रतिशत रहेगी : मॉर्गन स्टेनली

नई दिल्ली । अमेरिकी निवेश बैंक एवं वित्तीय सेवा कंपनी मॉर्गन स्टेनली ने वित्त वर्ष 2025-26 में भारत की खुदरा महंगाई औसतन चार प्रतिशत रहने की उम्मीद जताई है। कंपनी ने मंगलवार को जारी रिपोर्ट में कहा है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति की दर चार प्रतिशत पर रहने का मतलब है कि आने वाले महीनों में आरबीआई द्वारा नीतिगत ब्याज दरों में 0.75 प्रतिशत की कटौती की जा सकती है, जबकि पहले 0.50 प्रतिशत की कटौती का अनुमान जारी किया गया था। मॉर्गन स्टेनली के अनुसार, खाद्य पदार्थों की कीमतों में कमी के कारण मुद्रास्फीति में नरमी से अतिरिक्त कटौती की गुंजाइश बनती है। रिपोर्ट में कहा गया है, लगातार दो महीने (जनवरी और फरवरी में) ओवरऑल मुद्रास्फीति की दर अनुमानों से कम रही है। इसे देखते हुए हम अपने मौद्रिक नीति परिदृश्य को अपडेट करते हैं, और (नीतिगत दरों में) 0.25 प्रतिशत की एक और कटौती को जोड़ते हैं। इसमें उम्मीद जताई गई है कि वित्त वर्ष 2025-26 में खुदरा महंगाई औसतन चार प्रतिशत रहेगी, जबकि इसके पहले 4.3 प्रतिशत का अनुमान लगाया गया था। अमेरिका कंपनी ने कहा, इस प्रकार, हम 0.50 प्रतिशत के अपने पिछले अनुमान से 0.75 प्रतिशत की संचयी दर कटौती की ओर अग्रसर हैं। जनवरी और फरवरी के खुदरा महंगाई के आंकड़ों में अपेक्षा से तेज गिरावट देखी गई, जो खाद्य मुद्रास्फीति में कमी के कारण संभव हुई। वहीं, कोर मुद्रास्फीति निचले स्तर पर सीमित दायरे में बनी रही।

मॉर्गन स्टेनली ने कहा, 31 मार्च को समाप्त होने वाली तिमाही के लिए अब हम हमारे पूर्व अनुमान 4.3 प्रतिशत की तुलना में खुदरा महंगाई के औसतन चार प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाते हैं। आरबीआई का ओवरऑल मुद्रास्फीति का एक लक्ष्य (2-6 प्रतिशत) है, इसलिए हमारा मानना है कि इससे अतिरिक्त नरमी की गुंजाइश बनती है।

फरवरी में सीपीआई आधारित मुद्रास्फीति 3.61 प्रतिशत रही। छह महीने में पहली बार यह आरबीआई के चार प्रतिशत के लक्ष्य से नीचे आई है। खाद्य मुद्रास्फीति पिछले 12 महीने में ओवरऑल मुद्रास्फीति से ज्यादा रही है। इसमें मौसम संबंधी व्यवधानों का भी योगदान रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है, हालांकि, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए खाद्य मुद्रास्फीति के परिदृश्य में सुधार हुआ है क्योंकि रबी और खरीफ फसल उत्पादन में सालाना आधार पर वृद्धि का अनुमान है, जो अस्थिरता को कम करने में भी मदद करेगा।

भले ही विकास में तेजी आ रही है, लेकिन ऋण वृद्धि की प्रवृत्ति अब भी 11 प्रतिशत पर नरम है, जो वित्तीय स्थिरता की चिंताओं को दूर रखता है और विनियमन तथा तरलता के मोर्चे पर और अधिक कटौती की संभावना को दर्शाता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कोर मुद्रास्फीति में गिरावट आश्चर्यजनक रही है, जो कोर वस्तुओं और सेवाओं की मुद्रास्फीति के निचले स्तर से प्रेरित है। वास्तव में, भले ही बेस इफेक्ट सामान्य होने पर कोर मुद्रास्फीति बढ़ सकती है, लेकिन कमोडिटी की कीमतों में सीमा-बद्ध प्रवृत्ति से प्रेरित होकर इसके चार प्रतिशत के आसपास रहने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य पदार्थों की मुद्रास्फीति में कमी का असर ओवरऑल सीपीआई में गिरावट की प्रवृत्ति की निरंतरता पर दिखने की संभावना है, जिस पर आरबीआई का फोकस होता है।

इस संदर्भ में, ओवरऑल मुद्रास्फीति में नरमी आरबीआई द्वारा नीतिगत दरों में और अधिक कटौती के लिए अधिक गुंजाइश पैदा करती है।

उंगली की सर्जरी के बाद संजू सैमसन राजस्थान रॉयल्स की टीम से जुड़े

नई दिल्ली । पिछले महीने उंगली की सर्जरी करवाने के बाद संजू सैमसन सोमवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की टीम से जुड़ गए हैं।

ईएसपीएनक्रिकइंफो से मिली जानकारी के अनुसार सैमसन बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब से गुजर रहे थे और यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि वह अभी विकेटकीपिंग करेंगे या नहीं। अगर सैमसन फिट नहीं होते हैं, तो ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग का विकल्प हो सकते हैं।

फरवरी में इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टी20 में भी जुरेल ने सैमसन की गैरमौजूदगी में विकेटकीपिंग की थी। उस मैच में बल्लेबाजी

के दौरान जोफ्रा आर्चर की गेंद उनकी उंगली पर लगी थी। कंधे की चोट से पूरी तरह उबर चुके रियान पराग भी आरआर के लिए खेलने को तैयार हैं। इस चोट के कारण वह दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 से बाहर हो गए थे, लेकिन रणजी ट्रॉफी के दूसरे चरण में उन्होंने वापसी की थी। सौराष्ट्र के खिलाफ उन्होंने पहली पारी में अर्धशतक लगाया था और 26 ओवर की गेंदबाजी भी की थी।

राजस्थान रॉयल्स अपना पहला मुकाबला 23 मार्च को हैदराबाद में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। इसके बाद टीम 26 मार्च और 30 मार्च को गुवाहाटी में कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लगातार दो घरेलू मैच खेलेगी।

हरे निशान में खुला भारतीय शेयर बाजार, सेंसेक्स 74,600 स्तर से ऊपर

मुंबई । सकारात्मक वैश्विक संकेतों के बीच मंगलवार को घरेलू बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान में खुला। शुरूआती कारोबार में रियलिटी और मीडिया सेक्टर में खरीदारी देखी गई। सुबह करीब 9.27 बजे सेंसेक्स 448.91 अंक या 0.61 प्रतिशत बढ़कर 74,618.86 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 140.15 अंक या 0.62 प्रतिशत बढ़कर 22,648.90 पर था।

निफ्टी बैंक 407.25 अंक या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 48,761.40 पर था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 333.05 अंक या 0.69 प्रतिशत बढ़कर 48,794.85 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 142.55 अंक या 0.95 प्रतिशत चढ़कर 15,110.95 पर था।

बाजार पर नजर रखने वालों के अनुसार, सकारात्मक शुरूआत के बाद, निफ्टी को 22,450 पर सपोर्ट मिल सकता है, इससे पहले 22,350 और 22,300 पर सपोर्ट मिलेगा। ऊपरी स्तर पर, 22,700 तत्काल प्रतिरोध हो सकता है, इसके बाद 22,750 और 22,800 स्तर तत्काल प्रतिरोध हो सकते हैं। पीएल कैपिटल-प्रभुदास लीलाधर के विक्रम कासट ने कहा, सकारात्मक बाजार प्रदर्शन के बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए नए टैरिफ के बाद ट्रेड वॉर के तनाव बढ़ने के कारण सेंटीमेंट सतर्कता बरतने वाला बना रहा। इस भू-राजनीतिक अनिश्चितता ने बाजार आशावाद को कम कर दिया।

इस बीच, सेंसेक्स पैक में आईसीआईसीआई बैंक, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड और जोमैटो टॉप गेनर्स रहे। जबकि एचसीएल टेक, सन फार्मा, टीसीएस और टेक महिंद्रा टॉप लूजर्स रहे।

अमेरिकी बाजारों में, पिछले कारोबारी सत्र में डाउ जोंस 0.85 प्रतिशत चढ़कर 41,841.63 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.64 प्रतिशत बढ़कर 5,675.12 पर और नैस्डैक 0.31 प्रतिशत बढ़कर 17,808.66 पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में जकार्ता लाल निशान पर कारोबार कर रहा था। जबकि जापान, सियोल और चीन व हांगकांग हरे निशान पर कारोबार कर रहे थे।

विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) मार्च महीने में अब तक शुद्ध विक्रेता बने हुए हैं। उन्होंने 17 मार्च को 4,488.45 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने उसी दिन 6,000.60 करोड़ रुपये के शेयर खरीदकर इसकी भरपाई की।

न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर सीरीज में 2-0 की बढ़त बनाई

डुनेडिन । न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में अपना दबदबा कायम रखते हुए यूनिवर्सिटी ओवल में खेले गए दूसरे मैच में 5 विकेट से आसान जीत दर्ज कर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली।

बारिश के कारण 15 ओवर के मैच में बल्लेबाजी के लिए बुलाए जाने के बाद पाकिस्तान ने कप्तान सलमान अली आगा की 28 गेंदों पर 46 रन की पारी की बदौलत 135/9 रन बनाए, जिसमें चार चौके और तीन छक्के शामिल थे। शादाब खान (26) और शाहीन शाह अफरीदी (नाबाद 22) दौरे पर आई टीम के लिए अन्य महत्वपूर्ण रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। मेजबान टीम के लिए बेन सियर्स, ईश सोढ़ी, जैकब डफी और जेम्स नीशम ने दो-दो विकेट लिए।

जवाब में, सलामी जोड़ी टिम सीफर्ट (45) और फिन एलन (38) ने पहले विकेट के लिए 66 रनों की तेज साझेदारी की, जिससे न्यूजीलैंड ने 13.1 ओवर में पांच विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। पाकिस्तान के लिए हारिस राउफ ने तीन ओवर में 20 रन देकर दो विकेट लिए।

कार्यवाहक कप्तान माइकल ब्रेसवेल द्वारा पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद, डफी ने पहले ओवर में ही ओपनर हसन नवाज को आउट कर दिया। बेन सियर्स ने जल्द ही एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की, उन्होंने आक्रामक मोहम्मद हारिस को 11 रन पर आउट कर दिया। जब कप्तान आगा ने पलटवार करने का प्रयास किया, तो पारी को फिर से बनाने के लिए कुछ शानदार स्ट्रोक खेले, लेकिन सोढ़ी ने पाकिस्तान की प्रगति को बाधित कर दिया क्योंकि स्पिनर ने पहले इरफान खान को आउट किया और फिर दो गेंद बाद खुशदिल शाह को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया।आगा की 28 गेंदों में 46 रनों की पारी ने पाकिस्तान को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाने की कोशिश की, लेकिन दसवें ओवर में सियर्स द्वारा उनके आउट होने से मेहमान टीम संघर्ष करने लगी। शादाब (14 गेंदों पर 26 रन) और अफरीदी (14 गेंदों पर 22 रन) की शानदार पारियों की बदौलत पाकिस्तान ने 135/9 का स्कोर बनाया। 136 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड के सलामी बल्लेबाजों ने बिना समय गंवाए एलन के दूसरे ओवर में मोहम्मद अली की गेंद पर तीन बड़े छक्के लगाकर लक्ष्य का पीछा करना शुरू किया। तीसरे ओवर में सीफर्ट ने भी आक्रमण किया और एक्स्ट्रा कवर और डीप स्क्वायर लेग के बीच चार छक्के लगाकर अफरीदी को ध्वस्त कर दिया। तीसरे ओवर के अंत तक न्यूजीलैंड ने सात छक्के जड़ दिए थे।

सीफर्ट ने 22 गेंदों पर 45 रनों की पारी खेली, लेकिन पांचवें ओवर में वह मोहम्मद अली की धीमी गेंद को मिड-ऑन पर खेल गए। एलन ने सातवें ओवर में जहानदाद खान की गेंद पर लगातार दो छक्के जड़कर अपनी आक्रामकता जारी रखी और अगली गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। 16 गेंदों पर 38 रन बनाकर उन्होंने सुनिश्चित किया कि ब्लैक कैप्स सात ओवर में 88/2 के स्कोर पर मजबूती से नियंत्रण में थे और उन्हें इतनी ही गेंदों पर सिर्फ 48 रन की जरूरत थी।

फिर, मार्क चैपमैन अगले ओवर में खुशदिल शाह की गेंद पर सस्ते में आउट हो गए, जिसके बाद राउफ ने डेरिल मिशेल और नीशम के महत्वपूर्ण विकेट चटकाए। हालांकि, मिशेल हे ने 16 गेंदों पर नाबाद 21 रन बनाए और ब्रेसवेल ने चौका लगाकर न्यूजीलैंड की जीत सुनिश्चित कर दी।

न्यूजीलैंड 13.1 ओवर में 137/5 (टिम सीफर्ट 45, फिन एलन 38; हारिस राउफ 2-20) ने पाकिस्तान को 15 ओवर में 135/9 (सलमान आगा 46, शादाब खान 26; जैकब डफी 2-20, बेन सियर्स 2-23) को पांच विकेट से हराया।

हीरो मोटर्स ने भारत में फोर्ज्ड पावरट्रेन पार्ट्स की मैन्युफैक्चरिंग के लिए जर्मनी की एसटीपी के साथ की साझेदारी

नई दिल्ली । हीरो मोटर्स लिमिटेड (एचएमएल) ने मंगलवार को भारत में फोर्ज्ड पावरट्रेन उपकरणों की मैन्युफैक्चरिंग के लिए जर्मनी की श्मीडे टेक्निक प्लेटेनबर्ग (एसटीपी) के साथ एक रणनीतिक ज्वाइंट वेंचर (जेवी) का ऐलान किया।

जेवी के तहत लुधियाना के हीरो इंडस्ट्रियल पार्क में बनाई जाने वाली मैन्युफैक्चरिंग सुविधा में उत्पादन 2026 के मध्य में शुरू होने की उम्मीद है।

हीरो इंडस्ट्रियल पार्क में अन्य ऑटोमोटिव और ईवी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स जैसे एचएमसी एचआईवीई, एचवाईएम और स्पर टेक्नोलॉजीज भी मौजूद हैं।

दोनों कंपनियों ने साझा बयान में कहा कि

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में उपस्थिति के साथ, इस संयुक्त उद्यम का लक्ष्य नियर-नेट शेप प्रिसिजन फोर्जिंग में अंतर को पाटना है और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करना है।

एचएमसी ग्रुप के चेयरमैन पंकज एम मुंजाल ने कहा, हमारी मजबूत रिसर्च एवं डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग क्षमताओं के साथ एसटीपी के साथ यह साझेदारी हमें वैश्विक पावरट्रेन उपकरण बाजार में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी हासिल करने में सक्षम बनाएगी।एसटीपी एक बड़ी जर्मन फोर्जिंग कंपनी है, जिसके जर्मनी में छह मैन्युफैक्चरिंग प्लांट हैं, जो ऑटोमोटिव और इंडस्ट्रियल उपयोग के लिए हाई-प्रिसिजन वाले फोर्ज्ड और मशीनीकृत उपकरणों का उत्पादन करते हैं।

ऑटोमोटिव कम्पोनेंट टेक्नोलॉजी कंपनी एचएमएल, उच्च इंजीनियरिंग वाले पावरट्रेन सॉल्यूशंस और एलॉय एवं मेटालिक्स क्षेत्र में कार्यरत है और इसकी रिसर्च एवं डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग सुविधाएं भारत, यूनाइटेड किंगडम और थाईलैंड में फैली हुई हैं।हीरो मोटर्स एचएमसी ग्रुप का हिस्सा है। ग्रुप का कारोबार ऑटोमोटिव उपकरणों, ई-मोबिलिटी, साइकिल, रियल एस्टेट और प्रीमियम रिटेल में फैला हुआ है।

भारत का व्यापार घाटा फरवरी में तीन साल के निचले स्तर पर रहा

नई दिल्ली । भारत का वस्तु व्यापार घाटा फरवरी 2025 में घटकर 14.05 अरब डॉलर रह गया, जो तीन वर्षों का न्यूनतम स्तर है। जनवरी 2025 में यह 22.99 अरब डॉलर था। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी किए ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली। व्यापार घाटे में कमी की वजह फरवरी में निर्यात का स्थिर रहना और आयात में कमी आना है।फरवरी में देश का वस्तु निर्यात 1.3 प्रतिशत बढ़कर 36.91 अरब डॉलर हो गया है, जो कि जनवरी में 36.43 अरब डॉलर था। इस दौरान आयात 16.3 प्रतिशत गिरकर 50.96 अरब डॉलर रह गया है, जो कि जनवरी में 59.42 अरब डॉलर था।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एल सत्य श्रीनिवास ने कहा, आयात में भारी गिरावट, निर्यात के स्थिर रहने और पिछले फरवरी के उच्च आधार प्रभाव के कारण व्यापार घाटा वर्तमान में अगस्त 2021 के बाद से अपने सबसे निचले स्तर पर आ गया है।

चालू वित्त वर्ष के अब तक के 11 महीनों में व्यापार घाटा 261.05 अरब डॉलर रहा। इस दौरान वस्तु निर्यात स्थिर रहा, जबकि आयात में पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इसके अलावा, फरवरी में सेवा क्षेत्र का निर्यात 35.03 अरब डॉलर रहा है, जो कि जनवरी के मुकाबले 9.1 प्रतिशत कम है। सेवाओं का आयात समान रूप से गिरकर 16.55 अरब डॉलर रहा है।चालू वित्त वर्ष में अब तक 53.53 अरब डॉलर के गोल्ड का आयात हुआ है।

अदाणी इलेक्ट्रिसिटी को ब्रैंडन हॉल, यूएसए में 'गोल्ड एचआर एक्सीलेंस अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया

मुंबई । अदाणी इलेक्ट्रिसिटी ने कहा कि उसे अमेरिका के फ्लोरिडा में आयोजित ब्रैंडन हॉल एचआर एक्सीलेंस अवार्ड्स 2024 में प्रतिष्ठित गोल्ड अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

कंपनी ने बताया कि उसे यह सम्मान अदाणी मार्वेल्स (ए-मार्वेल्स) लीडरशिप प्रोग्राम के लिए, बेस्ट लीडरशिप डेवलपमेंट प्रोग्राम कैटेगरी में मिला है। यह सम्मान नेतृत्व के लिये प्रतिभा को बढ़ावा देने और कर्मचारियों के विकास में कंपनी का समर्पण दिखाता है।फ्लोरिडा के ब्रैंडन हॉल एक्सीलेंस कॉन्फ्रेंस में अदाणी इलेक्ट्रिसिटी मुंबई लिमिटेड के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी, डॉ संजीव मुरामकर को गोल्ड अवार्ड प्रदान किया गया।इस दौरान डॉ मुरमकर ने कहा, यह प्रतिष्ठित पुरस्कार हमारे कर्मचारियों को सशक्त बनाने पर हमारे मजबूत फोकस को दर्शाता है। हमारा मानना है कि कार्यबल में निवेश करना हमारी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है और हम उन्हें भविष्य की चुनौतियों का सामना करने और ग्राहकों की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए उपकरण और ज्ञान से लैस करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ए-मार्वल्स प्रोग्राम नेतृत्व के विकास के लिए सावधानी से तैयार किया गया एक साल का कार्यक्रम है, जिसका मकसद भविष्य के लीडर्स को आवश्यक कौशल तथा जानकारियां प्रदान करना है।

अवार्ड का मूल्यांकन कई मानदंडों पर किया गया है, जिसमें इनोवेशन, डिजाइन, रचनात्मकता, टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन और फीडबैक के माध्यम से कर्मचारियों से जुड़ाव शामिल है। ब्रैंडन हॉल ग्रुप एक अग्रणी वैश्विक अनुसंधान और विश्लेषक फर्म है, जो लगभग 30 वर्षों से दुनिया भर में 10,000 से अधिक ग्राहकों को सेवाएं प्रदान कर रही है।

आकाश चोपड़ा ने राजस्थान रॉयल्स की टीम के संतुलन पर उठाए सवाल

नई दिल्ली । पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने आईपीएल 2025 से पहले राजस्थान रॉयल्स की टीम की संरचना पर चिंता जताई है, उन्होंने सवाल उठाया है कि क्या मेगा नीलामी के बाद टीम कमजोर हो गई है।

अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो में, चोपड़ा ने बताया कि जोस बटलर, ट्रेंट बोल्ट, युजवेंद्र चहल और रविचंद्रन अश्विन जैसे प्रमुख खिलाड़ियों से अलग होने के आरआर के फैसले ने उन्हें स्पष्ट रूप से खाली कर दिया है, जिसे पर्याप्त रूप से नहीं भरा गया है।

चोपड़ा ने कहा, उन्होंने अपने चार सबसे बड़े खिलाड़ियों को खो दिया, लेकिन प्रतिस्थापन उनके करीब भी नहीं हैं। शिमरॉन हेटमायर को छोड़कर यह पूरी तरह से भारतीय बल्लेबाजी लाइनअप है। आपने कोई विदेशी बल्लेबाज नहीं चुना, जो काफी आश्चर्यजनक है। राजस्थान रॉयल्स ने नीलामी में जाने से पहले सैमसन, रियान पराग, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और शिमरॉन हेटमायर को रिटेन किया था। हालांकि, काफी बड़ी रकम होने के बावजूद, उन्होंने कोई हाई-प्रोफाइल विदेशी बल्लेबाज नहीं चुना। इसके बजाय, उन्होंने अपने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया, जिसमें जोफ्रा आर्चर (12.50 करोड़ रुपये), वानिंदु हसरंगा (5.25 करोड़ रुपये), महेश दीक्षाना (4.40 करोड़ रुपये), फजलहक फारूकी (2 करोड़ रुपये) और युवा दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज क्वेना मफाका (1.50 करोड़ रुपये) को शामिल किया।

हालांकि, चोपड़ा ने बताया कि आरआर में अभी भी एक उच्च गुणवत्ता वाले ऑलराउंडर की कमी है, जो पिछले सीजन में भी उन्हें परेशान कर रहा था। उन्होंने कहा, अधिकांश टीमों के पास एक मजबूत ऑलराउंडर होता है जो टीम संयोजन में लचीलापन देता है। राजस्थान के पास पिछले साल ऐसा नहीं था, और ऐसा लगता है कि वे फिर से उसी स्थिति में हैं। हसरंगा वास्तव में आईपीएल स्तर पर एक ऑलराउंडर नहीं है। उन्होंने कई बार गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन एक बल्लेबाज के रूप में, उन्होंने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है।

चोपड़ा का मानना है कि आरआर पेस डिपार्टमेंट में जोफ्रा आर्चर पर बहुत अधिक निर्भर है, लेकिन पेसर की चोटों का लंबा इतिहास उन्हें मुश्किल में डाल सकता है। उन्होंने कहा, आर्चर का हालिया फॉर्म और चोटें उन्हें जोखिम भरा दांव बनाती हैं। अगर वह अच्छा प्रदर्शन नहीं करते हैं, तो राजस्थान बड़ी मुश्किल में पड़ सकता है।

राजस्थान रॉयल्स 23 मार्च को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ मैच के साथ अपने आईपीएल 2025 अभियान की शुरूआत करेगी।

अजय देवगन की फिल्म में 2460 करोड़ी फिल्म की एक्ट्रेस ने मारी एंट्री, विलन होंगे संजय दत्त

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया हाल ही में अपनी पर्सनल लाइफ और रिलेशनशिप की वजह से चर्चा में आई थीं. अब एक्ट्रेस के प्रोफेशनल फ्रंट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. वे एक बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनी हैं जिसके लिए अजय देवगन और संजय दत्त पहले ही कन्फर्म हो चुके हैं। बॉलीवुड एक्टर अजय देवगन और संजय दत्त को फिल्में करते हुए काफी समय हो चुका है. दोनों अभी भी फैंस का फुल एंटरटेनमेंट कर रहे हैं. अब फिल्ममेकर जगन शक्ति की फिल्म में अजय देवगन और संजय दत्त का आमना-सामना होगा. ये एक जंगल एडवेंचर फिल्म होगी जिसमें अजय देवगन लीड एक्टर के रोल में नजर आएंगे. वहीं बात अगर संजय दत्त की करें तो उन्हें इस फिल्म में लीड एक्ट्रेस के लिए कास्ट किया गया है. अब फिल्म में एक और बड़ी एंट्री हो गई है. रिपोर्ट्स की मानें तो अब

इस फिल्म में 2460 करोड़ का कलेक्शन करने वाली बाहुबली की एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया शिरकत कर रही हैं. वे फिल्म में लीड एक्ट्रेस के रोल में नजर आएंगी।

कब शुरू होगी शूटिंग?

फिल्म का टाइटल फिलहाल के लिए रेंजर रखा गया है. इस जंगल ड्रामा की शूटिंग अप्रैल 2025 से शुरू हो सकती है. ऐसा माना जा रहा है कि बाहुबली एक्ट्रेस को इस फिल्म में जो रोल मिला है उसे बड़े कैन्वस पर गढ़ा गया है और इसके लिए तमन्ना भाटिया को काफी तैयारी करनी होगी. रिपोर्ट्स की मानें तो तमन्ना ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी है. वे फिल्म के डायरेक्टर जगन शक्ति के साथ स्क्रिप्ट पर डिस्कशन भी शुरू कर चुकी हैं. एक्ट्रेस अपनी इस जर्नी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

अजय के पास कौन सी फिल्में?

फिल्म की बात करें तो ये एक बड़े बजट की फिल्म होगी. इसकी शूटिंग सालभर चल सकती है. फिल्म अलग-अलग शेड्यूल्स पर अलग-अलग लोकेशन पर शूट की जाएगी. फिल्म को लेकर कास्ट सुपर एक्साइटेड है।

बाहुबली जैसी हिस्ट्री ड्रामा फिल्म में काम करने के बाद तमन्ना अब इस फिल्म के जरिए खुद के एक्टिंग टैलेंट को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो ये अपने आप में एक यूनिक फिल्म होगी और विजुअली भी बहुत रिच होगी।

फिल्म की कास्ट को लेकर आगे और भी खुलासे हो सकते हैं. अजय देवगन की बात करें तो एक्टर इसके अलावा दे दे प्यार दे 2 का भी हिस्सा हैं. वहीं उनकी शैतान 2 को लेकर भी चर्चा तेज है।

प्रतीक गांधी और पत्रलेखा की फिल्म फुले को मिली रिलीज तारीख

भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की इस जयंती पर डॉसिंग शिवा फिल्म्स, किंग्समेन प्रोडक्शंस और हम 11 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में फिल्म फुले की दुनिया भर में रिलीज कर रहे हैं, जो ज्योतिराव फुले की 197 वीं जयंती है। फिल्म फुले में प्रतीक गांधी और पत्रलेखा अहम भूमिका निभाई है। यह फिल्म भारतीय सामाजिक सुधार आंदोलन के दो प्रमुख व्यक्तियों महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई फुले के जीवन और विरासत की कहानी को दर्शाएगी। प्रतीक गांधी और पत्रलेखा की बहुप्रतीक्षित

फिल्म फुले को आखिरकार रिलीज की तारीख मिल गई है। समाज सुधारक महात्मा ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले के जीवन और कार्यों पर आधारित यह फिल्म इस साल 11 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रिलीज की तारीख ज्योतिराव की 197वीं जयंती के साथ भी मेल खाती है।

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निमार्ता अनंत महादेवन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में प्रतीक गांधी महात्मा ज्योतिराव फुले और पत्रलेखा उनकी पत्नी सावित्रीबाई फुले की भूमिका में नजर आएंगे। जी स्टूडियोज ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म के घोषणा पोस्टर को कैप्शन के साथ शेयर किया है और लिखास भारत की पहली महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की इस जयंती पर, डॉसिंग शिवा फिल्म्स, किंग्समेन प्रोडक्शंस और हम 11 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में फिल्म फुले की विश्वव्यापी रिलीज की घोषणा करने के लिए एक साथ आ रहे हैं, जो ज्योतिराव फुले की 197वीं जयंती का प्रतीक है।

यह फिल्म महात्मा ज्योतिराव और सावित्रीबाई फुले की प्रेरणादायक सफर को दशार्ती है, जिनके भारत में शिक्षा और सामाजिक समानता के क्षेत्र में किए गए काम ने एक स्थायी विरासत छोड़ी है। सावित्रीबाई फुले के रूप में अपनी भूमिका पर पत्रलेखा ने अपनी खुशी जाहिर की और कहा, मैं इस फिल्म में सावित्रीबाई फुले का किरदार निभाने के लिए बेहद सम्मानित महसूस कर रही हूं। ज्योतिराव फुले के साथ, उन्होंने भारत में आधुनिक शिक्षा और सामाजिक समानता की नींव रखी। आज उनकी जयंती पर, हम फुले की रिलीजा का एलान करें। मैं रोमांचित हूं कि दर्शक जल्द ही बड़े पर्दे पर उनकी प्रेरणादायक सफर देख सकेंगे।

भारतीय इतिहास की महान समाज सुधारक सावित्रिबाई फुले का जन्म आज ही के दिन 1831 में महाराष्ट्र के सतारा जिले के नायगांव में हुआ था। सावित्रिबाई ने 1848 में पुणे के भिड़े वाड़ा में देश का पहला गर्ल्स स्कूल खोला था। सावित्रिबाई फुले ने पुरुष प्रधान समाज का विरोध करते हुए घर-घर जाकर लोगों को बच्चियों को पढ़ाने के लिए प्रेरित किया। 10 मार्च 1897 को सावित्रिबाई का प्लेग की वजह से निधन हो गया था।

बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास, नारा रोहित अभिनीत बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर भैरवम का दमदार टीजर रिलीज

बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास, मनोज मांचू और नारा रोहित अभिनीत बहुप्रतीक्षित एक्शन थ्रिलर भैरवम का दमदार और शानदार टीजर रिलीज हो गया है। विजय संगीत निर्देशक श्री चरण पकाला ने अपने शानदार स्कोर से अनुभव को और भी बेहतर बना दिया है।

बेल्लमकोंडा साईं श्रीनिवास एक कच्चे, देहाती लुक में चमकते हैं और एक सम्मोहक प्रदर्शन देते हैं, खासकर

कनकमेडला द्वारा निर्देशित और श्री सत्य साईं आर्ट्स के केके राधामोहन द्वारा निर्मित इस फिल्म में अदिति शंकर, आनंदी और दिव्या पिल्लई भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। टीजर की शुरूआत एक महिला की आवाज से होती है, जो बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास के चरित्र द्वारा उसके सपनों में की गई हिंसा का वर्णन करती है, और उसके कार्यों के लिए उसकी तुलना भगवान कृष्ण से करती है। कहानी एक वाराही मंदिर और तीन दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी भूमिका बेलमकोंडा साईं श्रीनिवास, मनोज मांचू और नारा रोहित ने निभाई है, जो एक-दूसरे के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। टीजर में फिल्म की कहानी को दशार्या गया है, जिसमें मुख्य किरदारों और केंद्रीय संघर्ष का परिचय दिया गया है। श्री सत्य साईं आर्ट्स के शानदार प्रोडक्शन वैल्यू और हरि के वेदांतम के शानदार कैमरा वर्क के साथ, टीजर देखने लायक है। अंतिम क्षणों में जो उनके चरित्र की प्रतिभा को प्रदर्शित करते हैं। मनोज मांचू और नारा रोहित भी उग्र, गतिशील भूमिकाएँ निभाते हैं, और टीजर प्रभावी रूप से उनकी दोस्ती की ताकत पर जोर देता है। अपने हाई-ऑक्टेन टीजर के साथ, भैरवम ने एक उच्च मानक स्थापित किया है और इसकी नाटकीय रिलीज के लिए बड़ी प्रत्याशा पैदा की है।

फिल्म के तकनीकी दल में संपादक के रूप में छोटा के प्रसाद, प्रोडक्शन डिजाइनर के रूप में ब्रह्मा कदली और संवाद लेखक के रूप में सत्यर्षि और टूम वेंकट शामिल हैं। अपने प्रतिभाशाली कलाकारों और क्रू के साथ, भैरवम एक एक्शन से भरपूर और नेत्रहीन आश्चर्यजनक फिल्म होने का वादा करती है। टीजर ने पहले ही चर्चा पैदा कर दी है, और प्रशंसक फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।